डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 20 | अंक : 48 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 29 दिसम्बर 2025 से 04 जनवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

देश में आरएसएस की विचारधारा पर घमासान

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने की आरएसएस की तारीफ की और केरल से सांसद शशि थरूर ने भी सहमति जताई। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन अलकायदा से कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शन नफरत और आतंक फैलाता है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरएसएस को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम की विचारधारा से जोड़ा और कहा कि आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है।

एम. खान

जयपुर। नई दिल्ली में कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सीडब्लूसी के बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह के बयान पर कांग्रेस नेताओं के बीच जबरदस्त बहस छिड गई। दिग्विजय सिंह ने आरएसएस संगठन और भाजपा के संगठानात्मिक क्षमता, एकता और निर्णय लेने की क्षमता की तारीफ की और कांग्रेस को आरएसएस से सीख लेने की नसीहत दी। केरल से सांसद शशि थरूर ने भी कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए दिग्विजय सिंह के विचारों से सहमति जताई और कहा कि 140 वर्ष पुराने संगठन को मजबूत बनाने की जरूरत है। दूसरी तरफ कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरएसएस को महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे की विचारधारा का संगठन बताया और कहा कि आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन अलकायदा से कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शन नफरत और आतंक फैलाता है। जबकि कांग्रेस की विचारधारा लोगों को जोड़ने की है। कुछ भी हो कांग्रेस के भीतर दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर घमासान मचा हुआ है।

कांग्रेस में क्या चल रहा है-

कांग्रेस में तेजी से बदलाव हो रहा है। वर्तमान कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की कांग्रेस मानी जा रही है। जो नेता सिर्फ बयानों और जोड़-तोड़ से राजनीति करके कांग्रेस पार्टी के उच्च पदों पर पहुंच गए, अब उनको बेचैनी होने लगी है। राहुल गांधी एक मेहनती, सक्रिय एवं संघर्षशील नेता है। जो नेता कांग्रेस में भाषणबाजी और जोड़-तोड़ की राजनीति करते थे उनके लिए कांग्रेस में धीरे-धीरे पार्टी के दरवाजे बंद होने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तारीफ की, इसके पीछे दिग्विजय सिंह का अपना स्वार्थ दिखाई दे रहा है। उन्हें कांग्रेस में अपना भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। दिग्विजय सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस की तारीफ अनायास ही नहीं कर रहे हैं, इसके पीछे दिग्विजय सिंह की सोची समझी राजनीति है। कांग्रेस में काफी नेता ऐसे हैं जो सत्ता के साथ रहना चाहते हैं। सत्ता भाजपा के पास है। दूसरा ऐसे नेताओं को जेल जाने से भी डर लगता है। कांग्रेस को राहुल गांधी ने आरएसएस और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ खड़ा किया है ऐसी स्थिति में कांग्रेस और आरएसएस की विचारधारा कैसे समान हो सकती है। कांग्रेस सब वर्गों, जातियों और धर्म को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। जबकि आरएसएस और भाजपा अल्पसंख्यको विशेषकर मुसलमानो से दूरी बनाकर रखती है।

कांग्रेस में स्लीपर सेल कौन है-

कांग्रेस में कुछ विशेष जातियों के नेता हैं जिनकी विचारधारा आरएसएस से मेल खाती है। ऐसे नेता अपने वक्तव्यों से या तो कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते रहते हैं या कमजोर बनाए रखते हैं। कांग्रेस में रहते हुए भी यह नेता दूसरों के लिए काम करते हैं। साथ में ऐसे नेता जोड़-तोड़ करके कांग्रेस सरकारों और कांग्रेस संगठनों में उच्च पदों तक पहुंच जाते हैं। कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी की नीतियों के कारण दलित, पिछड़े और आदिवासी तेजी से जुड़ते जा रहे हैं। कांग्रेस देश में विभिन्न चुनाव जरूर हार रही है। लेकिन जमीन पर कांग्रेस मजबूत भी हो रही है। कांग्रेस में आने वाले दिनों कुछ नेता और बगावत कर सकते हैं। लेकिन अब कांग्रेस पार्टी ज्यादा कमजोर नहीं हो सकती है।

दूसरे धर्म के लोगों और अल्पसंख्यकों की मोबलीचिंग सिर्फ एक उन्माद है !

-मोबलीचिंग वाली उन्मादी भीड़ अपने ही धर्म के उन लोगों के लिए खतरे पैदा करती है जो विदेश, दूसरे राज्यों एवं दूसरे स्थानों पर अपनी रोज़ी-रोटी के लिए कमाई करने जाते हैं।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजनीति के चलते आजकल ऐसी उन्मादी भीड़ तैयार की जा रही है, जो एक इशारे पर उस सोची समझी घटना को अंजाम दे दे, जिससे राजनीतिक आर्थिक एवं धार्मिक लाभ उठाया जा सके। वर्तमान में बांग्लादेश में ऐसा ही हो रहा है, यहां हिंदुओं के खिलाफ एजेंडा चलाया जा रहा है। बांग्लादेश में वर्षों से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार थी। विरोधियों ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ एजेंडा चलाया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को अपदस्थ किया। हिंदुओं की मोबलीचिंग की गई, नुकसान बांग्लादेश को हुआ। कोई भी बांग्लादेशी नागरिक अब भारत में सुरक्षित नहीं रह सकता है। भारत से आर्थिक, राजनीतिक एवं सुरक्षा के फायदे मिलना कम हो रहे हैं या बंद हो गए। लेकिन बांग्लादेश में उन्मादी भीड़ का नेतृत्व करने वालों को सिर्फ सत्ता चाहिए, जो उनको मिलने जा रही है। बांग्लादेश अंदरुनी रूप से आंदोलनों, तोड़-फोड़ एवं उत्पात का देश बनता जा रहा है। भारत विरोध बांग्लादेश की राजनीति का सब्जेक्ट बन गया है। बांग्लादेश को कितना नुकसान होगा, उन्मादी भीड़ और नेतृत्व करने वालों को अंदाजा नहीं है!

भारत में मोबलीचिंग और उत्पात

25 दिसंबर को क्रिसमस पर्व के अवसर पर धार्मिक लोगों के कई संगठनों ने ईसाइयों के चर्चों और समारोह में जाकर उत्पात मचाया और तोड़फोड़ की। यह उन्मादी समूह दूसरे धर्मों के लोगों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है। यहां सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखा जाता है। भारत देश के लाखों हिंदू, मुस्लिम, सिख एवं ईसाई दूसरे देशों में व्यापार, शिक्षा लेने एवं मज़दूरी के लिए जाते हैं। विश्व में सबसे ज्यादा ईसाइयों के देश हैं, क्यों उन ईसाई देशों में भारतीयों या हिंदुओं के साथ मारपीट, मोबलीचिंग या पक्षपात हम पसंद करेंगे? नहीं करेंगे। फिर हमारे देश में ऐसा करके क्यों देश की छवि खराब की जा रही है। भारत की घटनाओं को आधार बनाकर ऑस्ट्रेलिया में हिंदुओं के साथ घटनायें हुई। वर्तमान ग्लोबल एज का जमाना है। देश को आर्थिक, शैक्षणिक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने के लिए ऐसी घटनाओं को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। देश में मुसलमानों के साथ हिजाब को लेकर, मोबलीचिंग को लेकर, मस्जिदों की तोड़फोड़ को लेकर घटनायें हुई जो ठीक नहीं कहीं जा सकती हैं। सरकार अपने स्तर पर कानून सम्मत कार्रवाई करे तो ठीक है। लेकिन यदि धार्मिक संगठन कानून हाथ में लेकर घटना घटित करें तो ठीक नहीं माना जा सकता है। इसलिए देश में धार्मिक उन्माद को रोका जाना चाहिए। यह किसी धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं बौद्ध धर्म के लोगों में उन्माद हो या सामूहिक हो, नुकसान देश को ही होता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह में पेश की चादर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास में सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती (रह.) के 814वें उर्स मुबारक पर अजमेर शरीफ दरगाह के लिए चादर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल को सौंपी थी, जिसे रविवार को प्रतिनिधि मण्डल ने अजमेर शरीफ दरगाह में चादर पेश की और बुलन्द दरवाजे से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संदेश पढ़कर सुनाया। ज़ियारत और चादर पेश सैयद अफसान चिश्ती ने कराई। राजस्थान में अमन चैन भाईचारे के लिए दुआ की।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हिन्दुस्तान की सर ज़मीन पर हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती ने समाज के कमज़ोर, गरीब और बेसहारा लोगों की खिदमत करने, एक-दूसरे के साथ आपसी भाईचारा कायम रखने पर जोर दिया और ख्वाजा गरीब नवाज़ ने विश्व को इंसानियत का अनमोल संदेश दिया। इस मुबारक मौके पर मैं ख्वाजा साहब से प्रदेश की तरक्की और खुशहाली की कामना करता हूँ।

उन्होंने ख्वाजा साहब के आस्ताने पर आने वाले तमाम ज़ायरीन और प्रदेशवासियों को उर्स की मुबारकबाद दी।

अजमेर शहर जिला अध्यक्ष सफीक पठान ने सर्किट हाउस पहुंचने पर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान, प्रदेश महामंत्री जावेद कुरैशी, प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान, मुंसिफ अली खान, अयुब खान, पूर्व राष्ट्रीय मंत्री रेशमा हुसैन, पूर्व प्रदेश महामंत्री मुनव्वर खान, प्रदेश मंत्री मुराद अली शेख, आरिफ खान धीमरी, इरशाद हसनपुरा, जावेद खान दौसा, परवेज खान, रफीक खान, फरीदुद्दीन जैकी, गुलाम मुस्तफा, अतीक अहमद, हाशिम खान, अलीम शेख, इमरान खान, मोहिन खान सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह के 814 वे उर्स के मुबारक मौके पर चादर एवं फूल पेश किए गए और राजस्थान में अमन चैन और भाईचारे के लिए दुआ की गई। दरगाह चादर में शामिल डाक्टर खानू ख़ान बुधवाली चेयरमैन वक़्फ़ बोर्ड, धर्मेंद्र सिंह राठौर पूर्व आरटीडीसी चेयरमैन, अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जयपाल,विधायक प्रत्याशी द्रोपती कोली,पूर्व अजमेर देहात कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व विधायक राजकुमार बहेती, अजमेर डेरी अध्यक्ष रामचंद्र जाट, पूर्व विधायक कय्यूम ख़ान, अमीन पठान अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस, पार्षद नोरत गुर्जर, असरार कुरैशी पूर्व सदस्य राज्य अल्पसंख्यक वित्त आयोग, इंसाफ़ आज़ाद कोटा, इकरामुद्दीन बूंदी, अरबाज़ झालावाड़, आमिर शेखावाटी, इलयास ख़ान, संजू ख़ान चादर पेश ख़ादिम वाहिद अंगारा ने करवाई।

छोटे टिकट से आसमान तक: मोहम्मद हारिस की उड़ान

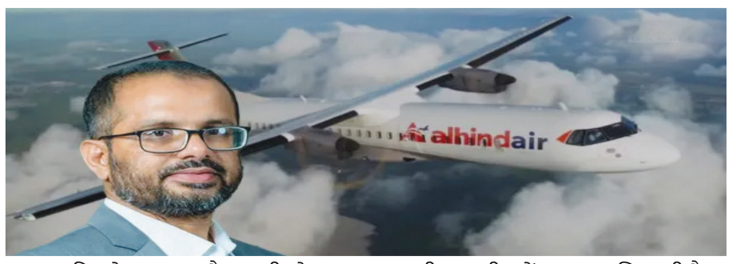

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। क्या आपने कभी सोचा है कि बस टिकट बुक करने वाला एक आम इंसान एक दिन अपनी खुद की एयरलाइन शुरू करेगा? केरल के एक साधारण परिवार से आने वाले मोहम्मद हारिस ने नामुमकिन को मुमकिन करके दिखाया। उन्होंने शुरुआत की थी एक छोटे से ट्रैवल ऑफिस से। न भारी-भरकम पूंजी थी, न बड़े-बड़े राजनीतिक या कॉर्पोरेट कनेक्शन। बस था हौंसला, ईमानदारी और लगातार मेहनत। वक़्त के साथ उनका बिज़नेस बढ़ा और उसी मेहनत की बुनियाद पर खड़ा हुआ अलहिंद ग्रुप! आज जब भारतीय एविएशन सेक्टर में इंडिगो और एयर इंडिया जैसी दिग्गज कंपनियों का दबदबा है, उसी दौर में मोहम्मद हारिस नए सपनों और नए आत्म-विश्वास के साथ एविएशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

उनकी कहानी हमें एक बात सिखाती है— छोटी शुरुआत कभी शर्म की बात नहीं होती। रुक जाना ही असली हार है। यह कहानी हर उस इंसान के लिए है जो सोचता है: "मेरे पास साधन कम हैं, मैं क्या कर पाऊँगा?" अगर इरादा मज़बूत हो, तो रास्ते खुद बनते हैं।

राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक शैक्षिक भ्रमण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, सवाई माधोपुर द्वारा एक ज्ञानवर्धक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर वास्तविक दुनिया के अनुभव प्रदान करना तथा इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं भूगोल जैसे विषयों की व्यावहारिक और गहन समझ विकसित करना रहा। इस शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत विद्यालय की कक्षा 6 से 10 तक के कुल 120 विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने टोंक जिले के प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण किया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने भ्रमण दल की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पुरातात्विक स्थल हाथी भाटा, अरबी-फारसी शोध संस्थान, शाही जामा मस्जिद, सुनहरी कोठी तथा बनास नदी तट स्थित फ्रेजर ब्रिज का अवलोकन किया। अरबी-फारसी शोध संस्थान में विद्यार्थियों को ऐतिहासिक और दुर्लभ धरोहरों की जानकारी दी गई, जिनमें शाहजहांनामा, महाभारत, तुजुके बाबरी, विश्व की विशालतम कुरान पाक, प्राचीन सिक्के, अभिलेख, शाही फरमानों की प्रतियां, मुहरें तथा अरबी-फारसी के महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रंथ शामिल रहे। विद्यार्थियों ने टोंक रियासत कालीन स्थापत्य कला, चित्रकला, कैलिग्राफी एवं साहित्यिक रचनाओं को देखकर गहरी रुचि और उत्साह व्यक्त किया। वहीं शाही जामा मस्जिद एवं सुनहरी कोठी की स्वर्ण जड़ाई एवं पच्चीकारी ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। यह शैक्षिक यात्रा न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन का माध्यम बनी, बल्कि उनके भीतर टीम वर्क, आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सामाजिक कौशल को भी सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई। संस्था प्रधान जुबेर अहमद ने बताया कि हॉस्टल लौटने के पश्चात विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस भ्रमण को अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

लोक परिवहन बसों से 'हफ्ता वसूली' और तोड़फोड़ करने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

-पुलिस ने जुंग्गीनपुरा से दबोचा

करौली (रॉयल पत्रिका)। कोतवाली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक परिवहन बसों के चालकों से अवैध वसूली (हफ्ता) मांगने, मारपीट करने और बसों के शीशे फोड़ने वाले गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि एसपी के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जुंग्गीनपुरा निवासी आरोपी पपोली गुर्जर (उर्फ हरवेन्द्र/हरकेश/पवन), देवेन्द्र सिंह (उर्फ देवा) और रामाधार गुर्जर को गिरफ्तार किया है। क्या था मामला? 19 दिसंबर 2025 को बस ऑपरेटर अशोक सिंह गुर्जर (निवासी हिंडौन सिटी) ने मामला दर्ज कराया था। पीड़ित के अनुसार, उनकी करौली-जयपुर रूट पर चलने वाली बसों को जुंग्गीनपुरा स्टैंड पर रोककर आरोपी पिछले 8 महीने से 5000 रुपये प्रतिमाह की अवैध वसूली कर रहे थे। अब आरोपियों ने 10,000 रुपये की मांग शुरू कर दी थी। पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने बस चालकों के साथ मारपीट की और बसों के शीशे फोड़ दिए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को धर दबोचा।

दो साल से विपक्षी भूमिका में लगातार सक्रिय है - लईक अहमद

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-बीजेपी व अन्य पार्टी की से दावेदार अनेक थे। चुनाव के बाद सारे नेता आंखों के तारे हो गए किसी को टिकट नहीं मिलने का सदमा बर्दाश्त नहीं हुआ तो किसी को हार का झटका जबरदस्त लगा। इन सब के बीच एक प्रत्याशी ऐसा भी था जो पार्टी समर्पित रहा कांग्रेस से मजबूत दावेदारी रखी टिकट नहीं मिला तो बिना अफसोस के पार्टी के साथ खड़ा रहा ओर अपने आप को हिम्मत ओर हौंसले से लड़ने का जज्बा सिखाता रहा। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव की जिम्मेदारी लईक अहमद को सौंपी तो बखूबी उसको निभाने के लिए तैयार हुए ओर लगातार दो साल तक पार्टी के लिए काम किए विधानसभा क्षेत्र में सवाई माधोपुर को छोड़ा नहीं ओर ना ही भुला जिला कांग्रेस कमेटी के लगभग प्रत्येक कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाते हैं। पिछले दो महीने पहले कांग्रेस पार्टी ने संगठन से सृजन अभियान के तहत प्रत्येक जिले में अध्यक्ष के बदलाव के लिए आवेदन मांगे थे। उसमें भी लईक अहमद का नाम काफी चर्चाओं में रहा अल्पसंख्यक वर्ग के नेता को अगर जगह मिलती तो उसमें शत प्रतिशत उनका नाम था। इसके पश्चात् भी पार्टी संगठन के लिए लगातार धरने प्रदर्शन रैली सभी कार्यक्रमों में अपनी क्षमताओं से आगे रहकर कार्य कर रहे हैं आगामी दिनों में पार्टी की ओर से कभी भी इसका लाभ मिल सकता हे।

सैनिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल किशनपुरा में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

किशनपुरा/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सैनिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल & फाउंडेशन, किशनपुरा में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर एक प्रभारी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस थाना गोविंदगढ़ के सर्किल इंस्पेक्टर विनोद कुमार सांखला अपने पुलिस स्टाफ के साथ विद्यालय पहुंचे। इस अवसर पर प्रभारी सांखला ने विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित चलने, यातायात नियमों के पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग के दुष्परिणाम तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियम केवल कानून नहीं बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम हैं। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय रोल बॉल खिलाड़ी एवं वर्तमान विश्व चैंपियन महिपाल सिंह महला भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, अनुशासन, परिश्रम और स्वस्थ जीवनशैली पर प्रेरक उद्बोधन दिया तथा बताया कि खेल जीवन में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। विद्यालय के निदेशक श्रवण सिंह गढ़वाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अनुशासन, नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के विशिष्टअतिथि भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार रहे।सैनिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल किशनपुरा में सड कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पत्रकार समाज को सही दिशा देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं- डॉ. शिखा मील बराला

-स्वर्गीय सीताराम जी शर्मा पत्रकार की 25वीं पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान एवं सम्मान समारोह का आयोजन

चौमू (रॉयल पत्रिका)। पत्रकार समाज को सही दिशा दिखाने में अपनी अहम भूमिका निभाकर समाज की सेवा करते हैं, इसलिए उन्हें सोच समझकर कार्य करना चाहिए। पत्रकारिता एक ऐसा विषय है, जिसमें अपने अधिकारों से ज्यादा जिम्मेदारियां होती हैं। पत्रकारिता में सृजनात्मक दृष्टि से किए गए कार्य इस समाज को दिशा देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। यह बात निकटवर्ती ग्राम पंचायत इटावा-भोपजी में पूर्व सरपंच एवं बजरंग बाण समाचार पत्र के संस्थापक स्वर्गीय सीताराम शर्मा की 25वीं पुण्यतिथि पर कृष्णा कॉम्पलेक्स में तालाब वाले बालाजी सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय पलसानिया व उनकी समस्त टीम के तत्वावधान में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह में चौमू विधायक डॉक्टर शिखा मील बराला ने कही। इस मौके पर उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकारों का दायित्व बनता है कि वे बिना किसी भेदभाव के समाज एवं राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए समाज की सेवा करें। स्वर्गीय शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे विशिष्ट प्रतिभा के धनी थे। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। शर्मा नौजवानों एवं पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत थे। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ शुरू हुई। तत्पश्चात हरिनाम संकीर्तन और विशाल रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 157 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट कृष्णा सिंह जादौन, भाजपा के पूर्व युवा मोर्चा उत्तर देहात के अध्यक्ष श्याम शर्मा, प्रांत महामंत्री डॉ. सांवरमल सोलेट, बार एसोसिएशन चौमू के अध्यक्ष चरण सिंह चौधरी, शंकर सिंह खेजरोली, निशा शर्मा, रेखा चोपड़ा, अपर लोक अभियोजक एडीजे कोर्ट चौमू संजय बिवाल, रामगोपाल शेरावत, आनंद मिश्रा, बी.एल.भंडारी, गजानंद कुमावत, मुरलीधर बर्रा, राजकुमार सैनी, सरपंच प्रतिनिधि हनुमान सहाय दुसाद, देवथला सरपंच रामजीलाल सैनी, उमराव सिंह,आलीसर से वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, सिंगोद खुर्द से वरिष्ठ पत्रकार जयपाल सिंह शेखावत, रामगोपाल सैनी, राजेंद्र सैनी पत्रकार पत्रकार समाज को सही दिशा देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं विकास शर्मा दैनिक भास्कर सहित पूर्व सरपंच प्रीतम सैन, संतोष सैनी, उपस्थित थे। अतिथियों के द्वारा रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मस्जिद के बाहर पत्थर हटाने को लेकर बवाल, पुलिस पर पथराव, आधा दर्जन जवान घायल

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण के चौमूं कस्बे में शुक्रवार तड़के ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की कवायद के दौरान भारी तनाव पैदा हो गया। बस स्टैंड इलाके में मस्जिद के पास से पत्थर हटाने और रैलिंग लगाने को लेकर हुए विवाद में उग्र भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। सहमति के बाद कैसे बिगड़ा माहौल? दरअसल, बस स्टैंड क्षेत्र में मस्जिद के पास करीब 45 सालों से सड़क किनारे पत्थर पड़े थे, जिससे जाम लगता था। एक दिन पहले पुलिस और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों की बैठक में आपसी सहमति से पत्थर हटाने का निर्णय हुआ था। पत्थरों को शांतिपूर्ण ढंग से हटा भी लिया गया था। लेकिन, शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे जब प्रशासन ने वहां रैलिंग लगाने का काम शुरू किया, तो कुछ लोगों ने इसका विरोध कर दिया और मामला हिंसक हो गया। इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने स्पष्ट किया कि केवल सड़क पर पड़े पत्थरों को हटाया गया था। उन्होंने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। मस्जिद हटाने और मस्जिद निर्माण पर न्यायालय की ओर से यथास्थिति के आदेश हैं। फिर भी प्रशासन ने मस्जिद के पास पत्थरों को हटाने का निर्णय लिया। मस्जिद के पास के पत्थर स्थानीय मुसलमानों की सहमति से हटाए गए। इसके बाद प्रशासन ने रैलिंग बनाना शुरू कर दिया। जबकि रैलिंग बनाना भी न्यायालय के आदेश की अवहेलना में ही आता है। रैलिंग बनाने के विरोध में कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस पथराव करने वालों को नहीं पकड़ पाई और चौमू के निर्दोष लोगों को घरों से पकड़कर उन पर मुकदमे दर्ज किये।

ग़ज़ल

दिल लगा ने को मेरे बूटियां तो हैं बहुत
प्यास बुझती ही नहीं टोंटियां तो हैं बहुत
ज़िन्दगी के वास्ते बस इक शरीफा चाहिए
कहने को इस शहर में खूंटियां तो हैं बहुत
जब चला उस घड़ी मंज़िल न थी न कारवां
अब सफर में देखता हूं मण्डियां तो हैं बहुत
किस क़दर अजीब से शहर मिलते हैं मुझे
खामोशियां फैली हुई है घंटियां तो हैं बहुत
घुप्प अंधेरी रात में रोशन दिया कोई नहीं
कहने को चारों तरफ बस्तियां तो हैं बहुत
एक इज़्ज़त के लिए चुपचाप बैठा हूं यहां
वरना ज़िन्दगी के लिए बन्दियां तो हैं बहुत

-फ़ज़लुर्रहमान

रातों-रात दीवार तोड़कर लाखों की चोरी, खोरा गांव में दहशत

-खोरा लाड़खानी में ज्वैलरी दुकान व मकान को बनाया निशाना, पुलिस जांच में जुटी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के खोरा गांव में शुक्रवार रात्रि अज्ञात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक ज्वैलरी की दुकान और एक मकान के पीछे की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का माल पार कर लिया। इस सनसनीखेज चोरी की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खोरालाड़खानी गांव निवासी जगदीश प्रजापत की ज्वैलरी की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान मालिक शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चला गया था। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखा लाखों रुपये का जेवरात व कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। इसी रात चोरों ने गांव निवासी सुरेंद्र जांगिड़ के मकान को भी निशाना बनाया। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में लगे जंगले को तोड़कर अंदर घुसकर नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। सुबह जब मकान मालिक जागा तो घर के अंदर सामान बिखरा देख उसके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल रमेश पोया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका रिपोर्ट तैयार की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जगदीश प्रजापत और सुरेंद्र जांगिड़ ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि पुलिस इस बड़ी वारदात का खुलासा कितनी जल्दी कर पाती है।

पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ आयोजित

सादिक हिन्दुस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के रॉयल मैरिज हॉल में आदिवासी मीणा अधिकारी कर्मचारी सेवा समिति सांगानेर तथा आदिवासी मीणा सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इसमें मीणा समाज के उन लोगों का सम्मान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सरकारी कर्मचारियों का एवं खेल जगत में नाम रोशन करने वालों का सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस सुनहरे मौके पर आदिवासी मीणा सेवा संघ एवं आदिवासी मीणा अधिकारी कर्मचारी सेवा समिति के अनेक सम्माननीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जय नारायण करोल (राजस्थान प्रशासनिक सेवा), डॉ. नीलम करोल (राजस्थान प्रशासनिक सेवा), मालू राम मीणा, कल्याण सहाय, कलोल रामकरण बेंदाडा, कैलाश चंद्र सिंगल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीलाल, कोषाध्यक्ष रमेश जी घाटी, देवनारायण मीणा, लक्ष्मी नारायण खोडा, गुलाब खोडा कल्याणपुरा गांव की ओर से मांड्या एवं मांदड परिवार के वरिष्ठ जन रामनारायण मांड्या, भगवान सहाय मांड्या, प्रभु नारायण मांड्या, मोहनलाल मांड्या, चंदा लाल मांड्या, रामचंद्र मांड्या, नाथू लाल मांड्या, गोकुल मांड्या, बाबूलाल मांड्या, रामकिशन मांड्या, रामफूल मांड्या, हनुमान पुत्र जगदीश मांड्या, विजय मांड्या, रामजीलाल मांड्या, राज नारायण मांदड, घासी मांदड आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे। तथा मीणा समाज के सैकड़ो लोग इस प्रतिभा सम्मान समारोह में उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

Scan Here

-संपादक

अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन सीमा चैधरी के नेतृत्व में उपायुक्त सतर्कता पुष्पेन्द सिंह राठौड़ व सतर्कता शाखा टीम, भवन/अतिक्रमण शाखा की टीम, जयसिंहपुरा खोर थाना के सहयोग से शुक्रवार को शहर में सरकारी भूमि पर अवैध/अनाधिकृत निर्माण व निगम की भूमि पर अतिक्रमण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण किया गया। उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन सीमा चैधरी ने बताया कि खसरा नम्बर 314/1, गैर मु. आबादी, कलालों की ढाणी, जयसिंहपुरा खोर में निगम की आबादी भूमि प्रश्नगत 4 बीघा में हो रहे अवैध निर्माण/अतिक्रमण कर रखा था। जिसकी जोन कार्यालय में लगातार शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें भू-प्रबन्धक विभाग जयपुर की टीम द्वारा डिमार्केशन करवाया गया था जिसे हवामहल आमरे जोन के द्वारा शहर में सरकारी भूमि पर अवैध /अनाधिकृत निर्माण निगम की भूमि पर अतिक्रमण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण किया गया साथ ही चन्द्रशेखर आजाद कॉलोनी, गली नं. 8 में अनाधिकृत/अवैध निर्माण को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी एक स्वच्छ छवि के राजनेता थे- रामलाल शर्मा

-महाराजा सूरजमल जी का बलिदान दिवस

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। भारत के यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती व महान योद्धा महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस रिंगस रोड स्थित अंकित रेस्टोरेंट पर भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व एक स्वच्छ छवि के नेता के रूप में था। उनका मन कवि था और विचारों में प्रतिबद्धता थी। ग़रीब व्यक्ति के कार्य को सर्वांगीण विकास का मन रखकर करने का काम किया। साधारण शिक्षक के परिवार और साधारण गाँव में जन्म लेने के उपरांत भी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के प्रधानमंत्री का सफ़र तय किया। भाजपा के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा अँधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा और उनके विचारों को लेकर आज देश में माननीय नरेन्द्र मोदी की सरकार भी ग़रीब व्यक्ति तक अपनी योजनाओं का विस्तार करने का काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने महान योद्धा महाराजा सूरजमल जी के बलिदान को लेकर भी अपने विचार रखे। इस मौक़े पर नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष क़ालूराम जाट, सरपंच रमेश शर्मा, भगवान सहाय फौजी, राजेंद्र पाटनी, हनुमान बागड़ा, मोहनलाल यादव, रफीक़ नागौरी, पार्षद राहुल शर्मा, गजेंद्र यादव, संदीप शर्मा, एन आर यादव, मुकेश चोपड़ा, आलोक जांगिड़, विनोद गोदारा, महेश शेरावत, मोहन जलुथरिया, धर्मेन्द्र बंजारा, राजेंद्र गुलिया, दौलत जाट, मदन गोरा, बलदेव टांक, भगवान कुमावत, श्याम लाल कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, राकेश बराला, राजू प्रजापत, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

कौन हैं आरान पायलट, जिन्होंने अरावली को बचाने जयपुर में किया पैदल मार्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एनएसयूआई की ओर से शुक्रवार को अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ पैदल मार्च निकाला गया। जालूपुरा से शुरू हुआ यह मार्च गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे तक पहुंचा। यहां चौराहे पर कुछ समय नारेबाजी करने के बाद सचिन पायलट सहित तमाम नेता और कार्यकर्ता लौट गए। इस मार्च में सचिन पायलट के साथ उनका बेटा आरान पायलट भी नजर आया। ऐसा पहले बार हुआ है जब किसी राजनीतिक कार्यक्रम या धरना-प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने बेटे आरान पायलट के साथ शामिल हुए हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के दो बेटे हैं-

सचिन पायलट और सारा पायलट के दो बेटे हैं, आरान और विहान पायलट। आम तौर पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों बेटे बहुत कम नजर आते हैं। वर्तमान में आरान और विहान दोनों ही अपनी पढ़ाई में व्यस्त हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि सियासी कार्यक्रम में पायलट अपने बड़े बेटे को लेकर पहुंचे हैं।

सचिन पायलट ने अरावली को बताया 'सुरक्षा कवच'-

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अरावली पर्वतमाला को उत्तर भारत के लिए सुरक्षा कवच बताते हुए उसके संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अरावली न केवल रेगिस्तान के फैलाव को रोकती है, बल्कि मानसून, जल, खेती, पशु और पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद अहम है। जयपुर में आयोजित पैदल मार्च में सचिन पायलट ने समर्थकों का अभिवादन किया, जहां उनके साथ विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, मनीष यादव और रामनिवास गावड़िया भी मौजूद रहे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 100वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाकपा ने अपना 100वां स्थापना दिवस पार्टी मुख्यालय पर झंडारोहण कर मनाया गया।पार्टी के वरिष्ठ नेता डी के छंगाणी ने झंडारोहण करते हुए कहा कि स्थापना के बाद से ही पार्टी देश में मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाती रही है।देश की आज़ादी के लिए संघर्ष के साथ ही श्रमिकों,किसानों व समाज के सभी तबकों के लिए सरकारों पर दबाव डलवा कर क़ानून बनवाए।आज देश के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं जिनके लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। समारोह को पार्टी के राज्य सचिव नरेन्द्र आचार्य,राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कुणाल रावत,सुनीता चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में तारासिंह सिद्धु,बीएम सुण्डा,केशव व्यास, जयपुर शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल,विनोद राय नसीम खान अयाज खान कलाम खान आसिफ खान एडवोकेट फारुक खान कामरेड मुद्दबीर खान सहित कई जनसंगठनों के नेता उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन पार्टी के ज़िला सचिव रमेश शर्मा ने किया।

लखारा शीशगर समाज की प्रतिभाओं को मिला सम्मान

-जयपुर के कर्बला स्थित हज हाउस में हुआ भव्य समारोह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगढ़ मोड़ स्थित कर्बला हज हाउस में रविवार को राजस्थान लखारा शीशगर समाज की ओर से भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में देशभर से समाज के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने समारोह को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित करना रहा, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। मंच से जब प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान किए गए, तो पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। इस अवसर पर लखारा शीशगर समाज के अध्यक्ष अनवर शीशगर ने कहा कि समाज हर वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करता है और समाजहित में निरंतर विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाज द्वारा सामूहिक विवाह जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक आयोजनों को भी सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। अनवर शीशगर ने अपने संबोधन में जोर देते हुए कहा, "समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। जब बेटा-बेटी शिक्षित होंगे, तभी समाज आगे बढ़ेगा। इसी सोच के साथ आज समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया है, ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन सकें।" समारोह में मौजूद वक्ताओं ने भी शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम बताया और समाज के ऐसे आयोजनों की सराहना की। कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रतिभाओं को सम्मान दिया, बल्कि समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का संदेश भी दिया।

मदन राठौड़ की ओर से ख्वाजा साहब के दर पर चादर एवं फूल पेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ की ओर से हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आले के 814 उर्स के मुबारक मौके पर मुनव्वर खान पूर्व उपाध्यक्ष अजमेर दरगाह कमेटी ने चादर पेश की और मुल्क में और राजस्थान में अमन चैन भाईचारे के लिए दुआ की। चादर सैयद अफशान चिश्ती की वकालत में पेश की साथ में हाजी मोहम्मद रफी बैतुल्लाह नदीम सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परकोटे में ई-रिक्शा प्रतिबंध से सैकड़ों परिवारों में रोज़ी-रोटी की चिंता बढ़ी

-ई-रिक्शा चालकों का दर्द—काम बंद तो घर कैसे चले?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमेर और परकोटे में ई-रिक्शा के संचालन पर रोक (बैन) के फैसले के खिलाफ ई-रिक्शा चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। 10 जनवरी तक लगाए गए इस प्रतिबंध से नाराज सैकड़ों चालक आमेर रोड पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। चालकों का कहना है कि प्रशासन के इस फैसले से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर काम बंद रहा तो वे अपने परिवार का गुजारा कैसे करेंगे? "पेट की आग" और परिवार की चिंता को लेकर चालकों ने अपनी व्यथा सुनाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बन गई थी, लेकिन एसीपी (ACP) सुरेंद्र सिंह राणावत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रदर्शनकारी चालकों से बात की और समझाइश कर मामला शांत कराया, जिससे बड़ा टकराव टल गया। फिलहाल पुलिस ने चालकों को समझाकर रास्ता खुलवा दिया है, लेकिन चालकों में रोजगार छिनने का डर बना हुआ है।

चौमू मस्जिद प्रकरण में बेकसूर लोगों की गिरफ्तारियाँ बंद करे प्रशासन

चौमू (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को चौमू में हुए विवाद को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) ने गहरी चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। SDPI के जिला अध्यक्ष ने बयान जारी करते हुए कहा कि चौमू की घटना निस्संदेह दुःखद है, लेकिन जब मुस्लिम समाज के जिम्मेदार व बुद्धिजीवी लोगों ने प्रशासन के साथ बातचीत कर विवाद को समाप्त करने की पहल कर दी थी और आपसी सहमति बन गई थी, तब स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा रात के समय घरों से लोगों को उठाकर हिरासत में लेना पूरी तरह अनुचित है। ऐसी कार्रवाई से आम जनता में पुलिस और प्रशासन के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है। स्थानीय महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर हैं। महिलाओं का कहना है कि 26 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को लगभग रात 2 बजे भारी पुलिस बल, जिसमें कई लोग बिना वर्दी के थे, घरों में घुसे और सोते हुए लोगों को जबरन उठा ले गये। महिलाओं का आरोप है कि इस दौरान पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के साथ हाथापाई की, अभद्र व्यवहार किया और अपशब्दों का प्रयोग किया। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि महिलाओं की गरिमा और अधिकारों पर सीधा हमला है। यह भी आरोप सामने आए हैं कि गुरुवार को जिन लोगों ने कथित रूप से पुलिस पर पथराव किया, उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय पुलिस ने कई निर्दोष और सोते हुए लोगों को हिरासत में लिया, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, जयपुर जिला, महिलाओं के साथ किए गए इस दुर्व्यवहार और बेकसूर लोगों की गिरफ्तारी का कड़ा विरोध करती है। SDPI प्रशासन से मांग करती है कि केवल वास्तविक दोषियों को ही चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। जिन निर्दोष लोगों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट और अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ताकि चौमू क्षेत्र में अमन, शांति और आपसी सौहार्द कायम रह सके।

खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व मनाया

-श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगा राजापार्क गुरुद्वारा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के राजापार्क स्थित गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जी का 359 वा प्रकाश पर्व मनाया गया, संपूर्ण देश और दुनिया में खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता, महान योद्धा-संत गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वाँ प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब में हुआ। वे सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने अपने जीवन को धर्म, मानवता, न्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के लिए समर्पित कर दिया। आज के पावन अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, राजापार्क में विशेष गुरमत समागम का आयोजन किया गया। सुबह 5 बजे से 6:30 बजे तक नितनेम का पाठ हुआ, इसके पश्चात 7:30 बजे से आसा की वार का मधुर कीर्तन चला। सचखंड श्री हरमंदिर साहिब से आए रागी जत्थों द्वारा गुरुवाणी का कीर्तन संगत को निहाल कर रहा है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने समानता, साहस और आत्मसम्मान का संदेश दिया। उनका प्रसिद्ध उद्घोष— "सवा लाख से एक लड़ाऊँ, तभी गोबिंद सिंह नाम कहाऊँ" आज भी हर सिख के हृदय में जोश और बलिदान की भावना भर देता है। गुरु साहिब ने अपने चारों साहिबजादों का बलिदान देकर यह सिद्ध कर दिया कि धर्म और इंसाफ की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करना ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर गुरुद्वारे में लंगर सेवा का आयोजन भी किया गया, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सभी ने एक साथ पंक्तिबद्ध होकर गुरु का लंगर ग्रहण किया। प्रकाश पर्व के मौके पर संगत ने वाहेगुरु के जयकारों के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने, सत्य और न्याय के लिए खड़े रहने तथा मानवता की सेवा का संकल्प लिया। अंत में अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया और समस्त विश्व में शांति, भाईचारे और सद्भावना की कामना की गई।

दोषियों को सज़ा हो और निर्दोषों को परेशान न किया जाए- मुहम्मद नाज़िमुद्दीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा है कि चौमूं में हुई कल पत्थरबाज़ी की घटना अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है। जब पुलिस व समुदाय के बीच विवादित स्थान को लेकर सहमति हो गई थी और सब कुछ शांतिपूर्ण तरीक़े से हो रहा था तो किसने माहौल ख़राब किया? पुलिस इसकी सही से जांच करे और दोषियों को कड़ी सज़ा दे, क्योंकि जो भी क़ानून तोड़े उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच की आड़ में बेगुनाह और निर्दोषों को फंसाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने शहर के गणमान्य नागरिक व प्रशासन से अपील की कि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत और भाईचारे के साथ मामले का हल निकालें और चौमूं में जल्दी शांति बहाल करने का प्रयत्न करें।

जम्मू-कश्मीर में बड़े आंदोलन का अल्टिमेटम, नजरबंद कर दिए गए महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता

जम्मू। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने यह कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समिति गठित किए जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पारा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे विरोध कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें। मेहदी ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि उनके आवास के बाहर सशस्त्र पुलिस तैनात की गई है। उन्होंने सवाल किया, "क्या यह छात्रों के समर्थन में हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को दबाने के लिए की गई एक पूर्व-नियोजित कार्रवाई है?" पारा ने इसी के साथ जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार पर आरक्षण मुद्दे को हल करने की कोई मंशा नहीं दिखाने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा आरक्षण नीति अस्तित्व का मामला बन गई है।

ऑटो चालकों पर मनमानी कार्यवाही करने का आरोप

-जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन की आंदोलन करने की चेतावनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हर साल की भांति इस साल भी जयपुर में भारी संख्या में आ रहे पर्यटकों को देखते हुए परकोटे में ई-रिक्शाओं का संचालन बंद किया गया है। जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन के अनुसार ऐसे में यातायात विभाग ने आनन-फानन में ऑटो चालकों पर कार्यवाही करना शुरू कर दिया है और करीब 250 ऑटो को जब्त किया गया। इसके अलावा करीब 100 गाड़ियों के चालान किये गये। जिसकी यूनियन को कोई सूचना नहीं दी गई। परिवहन विभाग की लापरवाही के कारण गाड़ियों के कागजात पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में यूनियन ने नये परमिटों की भी मांग की है। यूनियन का कहना है कि गाड़ियों की फिटनेस सेन्टरों को निजी हाथों में दे दिया गया। जिसके कारण फिटनेस सेंटर मनमाने ढंग से फिटनेस चार्ज वसूल कर रहे हैं। ऐसा ही हाल इंश्योरेन्स कम्पनी का है। इंश्योरेन्स भी काफी महंगा कर दिया गया है। एक गरीब ऑटो चालक इतना महंगा इंश्योरेन्स एवं फिटनेस का पैसा कहां से लाएगा। नया फिटनेस सेंटर भी जयपुर से 40 किलोमीटर दूर बना दिये गये हैं। जबकि पूर्व में जगतपुरा में फिटनेस सेंटर थे जो नजदीक थे और सभी चालक वहां आसानी से फिटनेस करवा लेते थे। परिवहन विभाग की इस कार्यवाही को लेकर समस्त ऑटो चालकों में भारी आक्रोश है, जिसका हमारी यूनियन इस तरह की कार्यवाही का विरोध करती है। यदि इस तरह की कार्यवाही को नहीं रोका गया तो मजबूरन में यूनियन को आन्दोलन करना पड़ेगा। परिवहन विभाग से गुज़ारिश है कि वे जल्द ही रिवाईज मीटर किराया तय कर नई सूचि जारी की जाये एवं तमाम प्री-पेड सूचि (बंद पड़े), को सुचारू रूप से चालू किया जावे। ताकि कोई चालक मनमाना किराया न ले सके तथा आमजन को राहत मिले।

अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर अधिकारी व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जयपुर जिले में आमजन को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अधिकारियों ने श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपनी निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की गई है, जिसके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

'नरेगा आखर' जिला प्रशासन जयपुर का विनम्र प्रयास प्रतिभागियों को वीबी-जी-राम-जी की जानकारी दी गई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी नरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग तथा प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से निरक्षर नरेगा श्रमिको एवं अन्य ग्रामीणो को साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए जिले मे 'नरेगा आखर' साक्षरता से सशक्तिकरण एक रचनात्मक कार्यक्रम का प्रारंभ माह जुलाई 2025 में जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की प्रेरणा से किया गया है। इस अभियान के तहत शामिल निरक्षर श्रमिको का 21 सितम्बर 2025 को एसेसमेन्ट टेस्ट आयोजित किया गया था। उक्त टेस्ट मे जिले के 46219 निरक्षर नरेगा श्रमिको द्वारा परीक्षा दी गई तथा जिसमे से 41290 श्रमिक उत्तीर्ण हुए। इसी क्रम में उक्त अभियान के तहत एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास श्रमिको के लिए उच्च अध्ययन तथा वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता के संबंध मे शुक्रवार को जिला परिषद जयपुर के सभागार में कार्यशाला/प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियो को "वीबी-जी-राम-जी" की प्रारंभिक जानकारी भी प्रदान गई। इसके अतिरिक्त 'नरेगा आखर' अभियान के तहत सितम्बर 2025 में आयोजित किये गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास प्रत्येक ब्लॉक से 02 चयनित महिला श्रमिक जो उच्च, अध्ययन की इच्छुक हैं, उन्हे अंकतालिका का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजमोहन गुप्ता, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रा. वि.), जयपुर द्वारा की गई। जिला परियोजना प्रबंधक राजिविका, जयपुर अनुपमा सक्सेना द्वारा भी कार्यक्रम मे भाग लेकर महिला श्रमिको एवं मेटो को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। 'नरेगा आखर' अभियान के तहत द्वितीय चरण जनवरी 2026 मे प्रारंभ होगा। इस क्रम मे आगामी सप्ताह मे (दिनांक 30 दिसम्बर से 3 जनवरी तक) पंचायत समिति स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे तथा दिनांक 5 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि मे नरेगा श्रमिको को वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता प्रदान की जाएगी। इसी क्रम मे माह सितम्बर 2025 मे आयोजित किए गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास नरेगा महिला श्रमिक, जो उच्च अध्ययन (10वी पास) करने की इच्छुक हो, उनका, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग के माध्यम से सर्वे किया जाकर उच्च अध्ययन भी प्रारंभ करवाया जाएगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

पुलिस पर एक तरफ कार्यवाही का दबाव

वर्तमान में पुलिस की छवि साफ नहीं मानी जाती है । जब भी कोई घटना होती है तो पुलिस पर एक तरफ एवं पक्षपाती कार्यवाही के आरोप लगाए जाते हैं। कानून व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस का निष्पक्ष बने रहना जरूरी होता है । पुलिस की कार्यवाहियां सत्ता, राजनेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार बदलती रहती हैं । हाल ही में जयपुर शहर के नज़दीक चौमू कस्बे में एक मस्जिद के सामने से पत्थर हटाने के नाम पर प्रशासन ने कार्यवाही करना शुरू किया था। प्रशासन और कस्बे के मुसलमानों के बीच गर्मा-गर्मी हुई । मुस्लिम पक्ष की ओर से दो-चार लोगों ने पुलिस पर पत्थर फैके गए पुलिस ने जवाब में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की और दर्जनों को गिरफ्तार किया गया । यहां तक तो मामला पुलिस के हाथ में था, लेकिन जैसे ही मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ प्रदेश सरकार पर हिंदू संगठनों का दबाव बनने लगा क्योंकि मामला मुसलमानों और मस्जिद से जुड़ा हुआ था। वर्तमान सरकार में मुसलमानों को गलती करने की कोई छूट नहीं है । घटना के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और गृह राज्य मंत्री बेढम के बयान आए कि अपराधियों और पत्थर फेंकने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। फिर क्या था पुलिस अधिकारी सरकार के ही नौकर होते हैं पुलिस अधिकारियों का यकायक व्यवहार बदल गया । दूसरे थानों से अतिरिक्त पुलिस फोर्स और आरएसी की अतिरिक्त फोर्स मंगाई गई । क्या था पुलिस ने मुस्लिम आबादी वाले मोहल्लों में जाकर मकानों के दरवाजे तोड़े, मकानों के अंदर महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के साथ मारपीट की और उनको पकड़कर थाने ले जाकर बंद कर दिया । सैंकड़ों मुसलमानों को गिरफ्तार किया गया । जबकि पत्थर फेंकने वाले कौन थे और कहां गए? पुलिस पता नहीं लगा पाई ! पुलिस की एक तरफा कार्यवाही सही नहीं कही जा सकती है । लेकिन सरकार के आदेश पर की जा रही कार्यवाही को कौन गलत बता सकता है ? वैसे ही वर्तमान में मुस्लिम वर्ग कमज़ोर, अशिक्षित और आर्थिक तंगी का शिकार है और राजनीति में टूल की तरह काम में लिया जा रहा है । राजस्थान में फिर भी गनीमत है कि मारपीट और गिरफ्तारी तक मामला सीमित है, जबकि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात में आरोप लगाकर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं और बाद में बुलडोजर कार्यवाही करता है । पुलिस एक तरफा कार्यवाही नेताओं, मंत्रियों और सरकार के दबाव में करती है, क्योंकि पुलिस अधिकारी भी राजनीति के दबाव में काम करते हैं। कानून के अनुसार कार्यवाही करने और लोगों को न्याय देने के दिन अब दिखाई नहीं देते हैं। देश में सांप्रदायिकता का ज़हर इतना बढ़ता जा रहा है कि झगड़ा करने के लिए बस बहाना चाहिए। कई घटनाएं तो ऐसी सामने आई हैं जहां विपक्षी वर्ग की भी जरूरत नहीं समझी जाती है कृत्रिम घटना बनाकर विरोधी समुदाय पर कार्यवाही शुरू कर दी जाती है। देश में एक समुदाय की अजीब स्थिति बना दी गई है। मस्जिद, मदरसा और दरगाहों के मामलों में फंसा कर एक तरफा कार्यवाही की जा रही है। विकसित देशों में शिक्षा, रिसर्च और व्यापार पर ज़ोर दिया जाता है, जबकि भारत में बात-बात में सांप्रदायिकता नज़र आने लगी है । 25 दिसंबर को ईसाई समुदाय के फेस्टीवाल पर पत्थरबाजी की गई, तोड़फोड़ की गई और मारपीट की गई। दोषियों पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की, क्योंकि पुलिस पर कोई दबाव नहीं था। इस तरह कि कार्यवाहियां राजनीतिक मंशा का परिणाम है। बहुत कम पुलिस अधिकारी हैं जो एक तरफा और पक्षपातपूर्ण कार्यवाही पसंद करते हैं, लेकिन मजबूरी में उन्हें पुलिस बल का दुरुपयोग करना पड़ता है।

चर्चों और मस्जिदों पर हमला करने वाले देश को कहां ले जा रहे हैं

ऐसा लगता है कि देश में कानून का राज खतरे में है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में प्रार्थनाओं में शामिल होते हैं, दूसरी तरफ गुंडे चर्चों और मस्जिदों पर हमले करते हैं। यह दोहरापन देश को कहां ले जाएगा?

ऐसा लगता है कि देश में कानून का राज खतरे में है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में प्रार्थनाओं में शामिल होते हैं दूसरी तरफ गुंडे चर्चों और मस्जिदों पर हमले करते हैं। यह दोहरापन देश को कहां ले जाएगा? ऐसा लगता है कि देश में गुंडों का एक समूह तैयार हो गया है। जो गले में एक भगवा दुपट्टा डालकर अपने आप को कानून से ऊपर समझते हैं और इनको कुछ भी करने की खुली छूट मिली हुई है और पुलिस इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। ये उपद्रवी तत्व खुले आम खुद को हिंदूवादी संगठन के जिम्मेदार बताते हैं। कोई बजरंग दल का बताता है तो कोई हिंदू रक्षा दल का। पिछले कुछ सालों से ऐसे संगठनों की देश में बाढ़-सी आ गई है। ये उपद्रवी खुले आम चर्चों और मस्जिदों पर हमला करते हैं और हैरान करने वाली बात यह होती है कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब होता है और पुलिस तमाशाबीन बनी रहती है। इन लोगों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं होती और ना ही कोई कार्रवाई होती है। साफ लगता है इनको सत्ता का संरक्षण प्राप्त होता है। गुंडों के हौंसले इस कदर बुलंद हैं कि इस वर्ष क्रिसमस पर इन्होंने पूरे देश में चर्चों पर हमले किए। रायपुर और जबलपुर में तो चर्च में चल रही प्रार्थना के समय इन्होंने पुलिस की मौजूदगी में तोड़-फोड़ की। दिल्ली में तो कुछ बच्चों ने सांता की टोपी लगा रखी थी, वहां गुंडों ने सार्वजनिक रूप से रास्ते में उन बच्चों को धमकाया और भगा दिया । चर्चों के सामने ही हनुमान चालीसा पाठ हुए, वैसे ही उत्तराखंड और हिमाचल में लगातार मस्जिदों पर हमले हो रहे हैं। मुसलमानों को मस्जिदों में नमाज़ पढ़ने से रोका जा रहा है। देश में चल रही इस गुंडागर्दी को रोकने वाला कोई नहीं है, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी जी चर्च में जाकर कोरल सुनते हैं। सवाल यह है कि यह प्रधानमंत्री चाहें तो क्या इन घटनाओं को रोक नहीं सकते हैं? क्या वे अपनी सरकारों को इन गुंडों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश नहीं दे सकते हैं? क्योंकि यह घटनाएं ज्यादातर उन्हीं राज्यों में हो रही हैं, जहां उनकी पार्टी की सत्ता है। लेकिन लगता यह है कि यह सब दोहरापन, सोची समझी रणनीति के तहत चल रहा है। प्रधानमंत्री जी "सबका साथ-सबका विकास" की बात करेंगे और नीचे हिंदूवादी संगठन चर्चों और मस्जिदों पर हमले जारी रखें और जो हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना है जिसमें ईसाइयों और मुसलमानों को डरा कर रखना है। उनको दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना है, इस काम में ये गुंडे लगे रहेंगे। सवाल यह उठता है कि आखिर यह सब क्यों हो रहा है, तो इसके लिए हिंदूवादी संगठनों के शीर्ष नेताओं के बयानों से इस खेल को आसानी से समझा जा सकता है कि आखिर देश को किधर ले

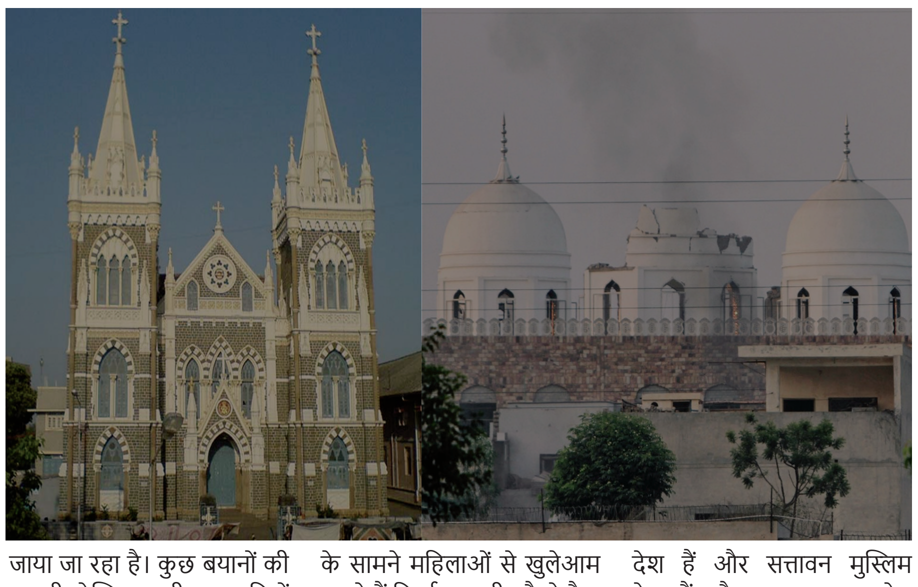

जाया जा रहा है। कुछ बयानों की बानगी देखिए अभी कुछ दिनों पहले संघ के संघ कार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि मुसलमानों को सूर्य नमस्कार और नदियों की पूजा करनी चाहिए । इनका यह बयान सीधा देश के संविधान को चुनौती देने वाला है। देश का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी मर्जी का धर्म मानने, उसका प्रचार-प्रसार करने का अधिकार देता है और दत्तात्रेय होसबोले देश की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी को नदियों की पूजा करने का निर्देश दे रहे हैं और उनके इस संविधान विरोधी बयान पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। इसका परिणाम यह निकलता है कि उनकी विचारधारा से प्रभावित गुंडे चर्चों में घुसते हैं, खुलेआम छोटी-छोटी बच्चियों के सामने महिलाओं से खुलेआम पूछते हैं कि ईसा मसीह कैसे पैदा हुए थे? बच्चे कैसे पैदा होते हैं? ऐसे ढेरों वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहे हैं और गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अब ज़रा कल्पना कीजिए कि अगर हिंदू धर्म के किसी आयोजन में ऐसे सवाल कोई ईसाई या मुस्लिम समुदाय के लोग पूछ लेते तो उसका क्या हाल होता? पुलिस सैंकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लेती, उनकी पिटाई करते हुए सड़कों पर जुलुस निकालते और उनके घरों पर बुलडोजर चल गए होते। सवाल वही है कि यह देश को किधर ले जाना चाहते हैं? इनके इन उपद्रवियों के वीडियो पूरी दुनिया में चल रहे हैं। आज दुनिया में लगभग एक सौ तीस ईसाई देश हैं और सत्तावन मुस्लिम देश हैं और लगभग 4 करोड़ भारतीय इन देशों में काम करते हैं। अब ज़रा कल्पना कीजिए कि यदि अमेरिका के गौरे अमेरिकी अपने यहां हिंदू त्यौहारों पर ऐसी ही गुंडागर्दी शुरू कर दें तो क्या हाल होगा? अगर मुस्लिम देश अपने यहां दीपावली मनाने से इनकार कर दें तब क्या होगा? जो चार करोड़ भारतीय विदेश में काम कर रहे हैं उनकी रोज़ी-रोटी पर खतरा पैदा नहीं हो जाएगा। अभी हाल के दिनों में पहली बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के स्थानीय ईसाइयों ने अपने देश में हिंदुओं का विरोध करना शुरू कर दिया है । देश के प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी की विचारधारा से जुड़े लोगों को सोचना होगा कि इन असामाजिक तत्वों की हरकतों से देश की छवि खराब हो रही है। अब तक दुनिया भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश मानती रही है। भारत को हमेशा एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र के रूप में मान्यता मिलती रही है। लेकिन ये गुंडे देश की छवि खराब कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी को अपने पड़ौस के देशों की तरफ देखना चाहिए। जो भी देश अपने देश के अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा करने में विफल हुआ है, वह देश बर्बाद हुआ है। आज पाकिस्तान एक विफल और बर्बाद देश है। ऐसी ही हालत श्रीलंका और बांग्लादेश की है। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास पूरी दुनिया की सबसे ज्यादा युवा शक्ति है। विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार है, खूब संसाधन हैं। देश के पास एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए जो चाहिए वह सब है और इन सब को ये गुंडे बर्बाद कर रहे हैं। जो देश में नफरत फैला रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री जी को पहल करके इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। देश में कानून का राज कायम करना चाहिए और देश के प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा फिर से कायम करना चाहिए कि वह देश में सुरक्षित है। इसके नागरिक अधिकार सुरक्षित हैं। अगर समय रहते इन गुंडों को रोका नहीं गया तो देश की छवि को बहुत भारी नुकसान हो सकता है।

-डॉ. शहाबुद्दीन खान

कमज़ोरों की मदद: अल्लाह की मदद का ज़रिया

इस्लाम एक रहमत और हमदर्दी का मज़हब है। इसने समाज के कमज़ोर और बेसहारा तबक़ात, ख़ास तौर पर यतीमों और बेवाओं के हुक़ूक़ और उनकी देखभाल को बहुत ज़्यादा अहमियत दी है। क़ुरान-ए-पाक में बार-बार यतीमों के साथ नरमी, उनके माल की हिफ़ाज़त और उनके साथ इंसाफ़ करने का हुक्म आया है। अल्लाह तआला फ़रमाता है, "पस तुम यतीम पर सख़्ती न करो।" (सूरह अद-दुहा: 9)

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम), जो ख़ुद एक यतीम थे, उन्होंने यतीम की कफ़ालत (देखभाल) करने वाले को जन्नत में अपने क़रीब होने की बशारत (शुभ सूचना) दी है। आपने अपनी दो उँगलियों को मिलाकर फ़रमाया, "मैं और यतीम की कफ़ालत करने वाला जन्नत में इस तरह (क़रीब) होंगे।" (सहीह बुख़ारी)

इसी तरह बेवाओं की मदद और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने को अल्लाह की राह में जिहाद करने और दिन भर रोज़ा रखने और रात भर इबादत करने के बराबर क़रार दिया गया है। यह सिर्फ़ एक शख़्स की नहीं, बल्कि पूरे इस्लामी समाज की ज़िम्मेदारी है कि वह अपने अंदर मौजूद यतीमों और बेवाओं को अकेला और बेसहारा न छोड़े। उनकी तालीम, तरबियत, सेहत और माली ज़रूरतों का ख़याल रखना एक बेहतरीन इबादत और अल्लाह की रज़ा हासिल करने का सबसे आसान तरीक़ा है। जो समाज अपने कमज़ोरों का ख़याल रखता है, अल्लाह उस समाज पर अपनी रहमतें नाज़िल फ़रमाता है।

शहीद अशफाक उल्ला खान: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रांतिकारी, हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक

अशफाक उल्ला खान भारत के स्वतंत्रता संग्राम के उन अमर क्रांतिकारियों में से एक हैं, जिन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बनकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष किया। उनका बलिदान काकोरी कांड के माध्यम से आज भी प्रेरणा स्रोत है।

प्रारंभिक जीवन-

अशफाक उल्ला खान का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के शहीदगढ़ में एक पठान मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनके पिता मोहम्मद शफीक उल्ला खान एक पुलिस अधिकारी थे, जबकि माता का नाम मजरून निशा था। बचपन से ही वे साहसी और देशभक्त थे। वे घुड़सवारी, निशानेबाजी और तैराकी में निपुण थे तथा उर्दू कविता रचना भी करते थे। पढ़ाई के दौरान वे बंगाल के क्रांतिकारियों से प्रभावित हुए और सातवीं कक्षा में ही क्रांतिकारी विचारों से जुड़ गए। अशफाक ने स्थानीय स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन ब्रिटिश शिक्षा व्यवस्था से मोहभंग होने के कारण उच्च शिक्षा छोड़ दी। उनका परिवार सरकारी नौकरियों से जुड़ा था, फिर भी वे राष्ट्रभक्ति के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार थे। गांधीजी के असहयोग आंदोलन से प्रारंभिक प्रभावित हुए और स्वराज पार्टी के प्रचार में सक्रिय रहे।

क्रांतिकारी यात्रा की शुरुआत-

चौरी-चौरा कांड (1922) के बाद गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेने से अशफाक को गहरा आघात लगा। वे अहिंसक मार्ग से असंतुष्ट होकर सशस्त्र क्रांति की राह चुन ली। 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में उन्होंने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संगठन ब्रिटिश राज के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह पर केंद्रित था। वे मुस्लिम युवकों को क्रांतिकारी दल में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करते थे, जिससे हिंदू-मुस्लिम एकता मजबूत हुई। उनके कविताओं में देशभक्ति की भावना झलकती थी। वे नियमित रूप से कुरान पाठ करते और रमजान में रोजा रखते थे, जो उनके धार्मिक आग्रह को दर्शाता है। काकोरी ट्रेन डकैती HRA को हथियार खरीदने के लिए धन की आवश्यकता थी। 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन पर सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन को रोका गया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, चंद्रशेखर आजाद सहित 10 क्रांतिकारियों ने इस डकैती को अंजाम दिया।

ट्रेन के गार्ड के डिब्बे से सरकारी खजाना लूटा गया, जिसमें लगभग 4,000 रुपये थे। यह धन क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए उपयोग किया गया। अशफाक ने ट्रेन डकैती में सक्रिय भूमिका निभाई। वे पहरे की व्यवस्था करते रहे। ब्रिटिश पुलिस ने गुप्तचरों की मदद से षड्यंत्र का पता लगा लिया। सभी सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अशफाक भाग निकले और कुछ समय तक भूमिगत रहे। उन्होंने पेशावर, नेपाल और ब्रिटिश अफसरों को चुनौती देते हुए पत्र लिखे। अंततः वे पकड़े गए।

मुकदमा और फाँसी-

काकोरी षड्यंत्र मामले में लखनऊ की विशेष अदालत में मुकदमा चला। ब्रिटिश न्यायाधीशों ने बिस्मिल, अशफाक, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फाँसी की सजा सुनाई। अन्य को कठोर कारावास मिला। मुकदमे के दौरान अशफाक ने अंग्रेज अधिकारियों से कहा, "हिंदुस्तान आजाद होकर रहेगा, फूट डालो राज करो की नीति सफल नहीं होगी।" 19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद जेल में अशफाक उल्ला खान को फाँसी दे दी गई। वे मात्र 27 वर्ष के थे। वे ऐसे मुस्लिम क्रांतिकारी थे जिन्हें ट्रेन डकैती षड्यंत्र के मामले में फाँसी हुई। जेल में रहते वे कुरान पाठ और रोजा रखते रहे। उनका अंतिम संदेश था, "मेरा खून देश की आजादी की आहुति है।

विरासत और सम्मान-

अशफाक उल्ला खान हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक बने। उनकी शहादत ने युवाओं को प्रेरित किया। 1970 में भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया। शाहजहांपुर में उनकी समाधि और स्मारक स्थापित हैं। काकोरी शहीद स्मारक उनके बलिदान की याद दिलाता है। उनकी कविताएँ आज भी पढ़ी जाती हैं। वे सिद्धार्थनगर जिले के मलिहाबाद में जन्मे थे। स्वतंत्र भारत में उन्हें राष्ट्रकवि का दर्जा मिला। अशफाक का जीवन कठोर परिश्रम, दृढ़ता और उदारता का उदाहरण है। उनका योगदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित है।

कुरान दया, इन्साफ और मोहब्बत की शिक्षा देता है

समकालीन भारतीय सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में, मुस्लिम समुदाय स्वयं को पहचान, हाशिए पर होने, आर्थिक पिछड़ेपन, सामाजिक कलह और बहुलवाद के लिए खतरों के एक जटिल जाल में फँसा हुआ पाता है। चुनौतियाँ बहुआयामी हैं, जिनमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, आर्थिक अधिकारों से वंचित होना और शैक्षिक पिछड़ापन से लेकर मीडिया द्वारा गलत प्रस्तुति और वैचारिक दुरुपयोग तक शामिल हैं। फिर भी, इन कठिनाइयों के बीच, कुरान पाक एक स्पष्ट शिक्षा प्रस्तुत करता है, जिसे यदि ईमानदारी से अपनाया जाए, तो यह मुसलमानों को समृद्धि की ओर ले जाने वाले एक दिशासूचक के रूप में कार्य कर सकता है और साथ ही राष्ट्रीय विकास में भी योगदान दे सकता है। दया (रहमा), न्याय (अदल) और करुणा (एहसान) के मूलभूत विषय इस्लाम में गौण गुण नहीं हैं, ये इसका सार हैं। ये मूल्य न केवल ईश्वरीय गुण हैं, बल्कि विश्वासियों के लिए नैतिक अनिवार्यताएँ भी हैं, जो व्यक्तिगत आचरण और सामूहिक कार्य दोनों का मार्गदर्शन करती हैं। पवित्र कुरान बार-बार पुष्टि करता है कि दया सृष्टि के साथ ईश्वरीय जुड़ाव का सर्वव्यापी सिद्धांत है। कुरान ने दोस्तों और दुश्मनों दोनों के साथ अपने व्यवहार में इस सिद्धांत का उदाहरण दिया। मक्का की विजय के दौरान कुरैश के प्रति उनकी क्षमा, अनाथों और हाशिए पर पड़े लोगों के प्रति उनकी करुणा, और मदीना में उनका समावेशी शासन नैतिक नेतृत्व के स्थायी मॉडल हैं। ये उदाहरण न केवल ऐतिहासिक अनुस्मारक के रूप में बल्कि आधुनिक समय में मुसलमानों के आचरण के लिए व्यावहारिक दिशानिर्देश के रूप में भी काम करते हैं। इन आयतों की प्रासंगिकता को बहुलवादी भारत में रहने वाले मुसलमानों को समझना चाहिए। मुसलमानों के लिए यह आवश्यक है यह केवल कानूनी निर्णय तक सीमित नहीं है, बल्कि एक समग्र सिद्धांत है जिसमें सामाजिक समता, निष्पक्षता और नैतिक अखंडता शामिल है। पूर्वाग्रह, सामाजिक बहिष्कार और हानि का भय उन्हें सार्वजनिक भलाई करने से नहीं रोकना चाहिए, भले ही यह उन्हें बहिष्कृत कर दे। कुरान में व्यक्त सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ करुणा है, जो दया और न्याय के बीच भावनात्मक और नैतिक सेतु है। करुणा में दया को कार्यान्वित करते हुए न्याय को

मानवीय बनाने का एक सहज गुण है। कुरान कहता है, "जो लोग धरती पर विनम्रता से चलते हैं और जब अज्ञानी उन्हें संबोधित करते हैं, तो वे शांति के शब्दों के साथ जवाब देते हैं" (25:63)। यह आयत जटिल सामाजिक परिदृश्य में मार्गदर्शन के लिए एक नैतिक दिशासूचक प्रदान करती है। करुणा की तुलना कमजोरी से नहीं की जा सकती, बल्कि यह शक्ति, सहानुभूति और मध्यम मार्ग है, जो मनुष्य को गलत और सही को समझने में सक्षम बनाता है। यह वह शक्ति है जो विरोधियों को सहयोगियों में और संघर्ष को सह-अस्तित्व में बदल देती है। आज भारतीय मुसलमान केवल बाहरी ही नहीं, बल्कि आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो ज़्यादा चिंताजनक हैं। शैक्षिक मानकों का ह्रास, नैतिक मूल्यों का ह्रास और सांप्रदायिक एकता का विखंडन गंभीर चिंताएँ हैं। क़ुरान पूछता है, "क्या जो जानते हैं वे उन लोगों के बराबर हैं जो नहीं जानते?" यह प्रश्न ज्ञान के मूल्य और बौद्धिक जुड़ाव की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। इसलिए शिक्षा को व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का एक साधन भी माना जाता है। क़ुरान इन तीनों गुणों को एकता के व्यापक दायरे में समाहित करता है, जिसे समाज को एक सूत्र में बाँधने वाली अनिवार्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। एक एकजुट समुदाय अपने अधिकारों की वकालत करने, राष्ट्रीय विकास में योगदान देने और विभाजनकारी आख्यानों का प्रतिकार करने के लिए बेहतर स्थिति में होता है।

"बुराई को बेहतरी से दूर करो; फिर जो तुम्हारा दुश्मन था, वह तुम्हारे घनिष्ठ मित्र के समान निकट हो जाएगा।" यह आयत नैतिक आचरण की परिवर्तनकारी शक्ति को समाहित करती है, जो सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में सहभागिता, संवाद और नैतिक उत्कृष्टता का आह्वान करती है। लक्ष्य केवल अधिकारों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ न्याय, दया और करुणा आदर्श हों।

ज़िगर मुरादाबादी और नाते रसूल स.अ.व.

बक़ौल रशीद अहमद सिद्दीकी "बीसवीं सदी में गज़ल गोई के हज़रत फ़ानी, असगर और ऐसे मुस्तक़ीम (मज़बूत) सुतून थे जिन पर जदीद गज़ल की इमारत कायम है जो बड़ी खूबसूरत है । ज़िगर मुरादाबादी अपनी सीरत में शख़्सियत के एतबार से अपनी कलम से भी ज्यादा दिल आवेज़ और क़ाबिले एहतराम थे" । जिगर साहब अपनी जिंदगी में दुख्तरे रंज (शराब) के बड़े शौकीन थे। आप हर वक़्त उसके सुरूर में डूबे रहते, उन पर शराब का कितना ही गलबा क्यों न होता उनसे कोई ऐसी हरकत सरज़द न होती जिसको खिलाफ़े तहजीब माना जाता हो और न ज़बान से गैर मोहज़्ज़ब अल्फाज अदा होते, न वोह कभी लौटते- पोटते और न शोर-शराबा मचाते नहीं पाए गए थे। मुझे तो अक्सर ऐसा महसूस हुआ जैसे केफ़ो सुरूर बक्शने के बजाय शराब उनको इन्तेहाई दर्द और तकलीफ में मुब्तिला कर देती हो। उन पर थोड़ी शराब भी बहुत असर करती थी । (मज़मून कुल्लियाते जिगर रशीद अहमद सिद्दीकी) । एक बार ज़िगर साहब को एक नातिया मुशायरे का दावतनामा मोसूल हुआ । ज़िगर साहब वैसे तो बड़े मज़हब परस्त थे, मगर शराबनोशी के बाइस लोग समझते थे कि इनका मज़हब से कोई सरोकार नहीं है। ज़िगर साहब ने जब जाने का इरादा किया तो सोचने लगे कि मैं रिंद खाना खराब हरकत मस्तिये शराब में डूबा हुआ और कहां नात व मिदहते रसूल, आपने फौरन शराब से तौबा की, गुस्ल किया और पाक-साफ होकर नाते नबी लिखने को क़लम उठाया और एक नात मुकम्मल की । जब मुशायरे का दिन आया तो ज़िगर साहब भी मुशायरे में नाते नबी पढ़ने के लिए तशरीफ़ ले गए। मुशायरे में जब शायरों ने ज़िगर साहब को देखा तो सब सकते में आ गए। सोचने कि ज़िगर साहब और नात उनके कुछ समझ नहीं आ रहा था कि यह रिंदी और मस्ती का शायर किस तरह नाते रसूल लिख सकता है, क्योंकि यह तो हर वक़्त शराब में डूबे रहते हैं। उन्हें क्या मालूम कि ज़िगर जितना रिंद है उससे कहीं ज्यादा आशिके रसूल है और वो इश्के रसूल में गर्क होकर नाते रसूल स.अ.व. लिख सकता है । ज़िगर साहब मिजाज शवास भी थे, आपने उन शायरों के मिज़ाज़ और ज़हनी कैफियत को जानकर कहा "हज़रात नात तो सुन लीजिए फिर फैसला कीजिए", अपने पुरनम होकर अपने पुरजोश अंदाज में नात पढ़ना शुरू किया वो नात इस तरह है-

एक रिंद है और उम्मते सुल्ताने मदीना
हां कोई नजरे रहमत सुल्ताने मदीना।

तू सुबह अज़ल आइनाए हुस्ने अज़ल भी,
ए सल्ले अला सूरते सुल्ताने मदीना।

ए खाके मदीना तेरी गलियों के तसददुक
तू खुल्द है तू जन्नत सुल्ताने मदीना।

इस तरह कि हर सांस हो मसरूफ़े इबादत,
देखूं दर दौलते सुल्ताने मदीना।

दामने नज़र तंग व फ़रावानीय जलवा,
ए तलअते हक़ तलअते सुल्ताने मदीना।

एक नंगे गमे इश्क़ भी है मुंतज़िरे दीद
सदके तेरे ए सुल्ताने मदीना।

कोनेन का ग़म, यादें खुदा दर्दे शफ़ाअत
दौलत है यही दौलते सुल्ताने मदीना।

ए आलमे तक़्वी तेरे इसरारे हक़ीक़त,
मिन जुमला एक आयते सुल्ताने मदीना।

ज़ाहिर में ग़रीबुल गुरबा, फिर भी यह आलम,
शाहों से सवा सिलवते सुल्ताने मदीना।

ए जांबलब आयदल, होशियार खबरदार,
वोह सामने हैं हज़रते सुल्ताने मदीना।

कुछ हमको नहीं काम "ज़िगर" और किसी से,
काफी है बस एक निसबते सुल्ताने मदीना॥

तसददुक=सदक़े, फरावानी= बहुत ज्यादा, तलअत=दीदार, नंगे- शर्म वाला, सितवत= दबदबा आसी=गुनाहगार, जांबलब-मरने के करीब, अयदह=आया हुआ, तकवीं=पैदा करना, वजूद में लाना

-हबीबुल्लाह एडवोकेट, जवाहर नगर, जयपुर

IIT भुवनेश्वर में नॉन टीचिंग के 101 पदों पर भर्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर (IIT Bhubaneswar) ने नॉन टीचिंग के पदों पर वैकेंसी निकाली है। इस भर्ती अभियान के तहत संस्थान में तकनीकी और प्रशासनिक श्रेणी के 101 पदों पर भर्ती की जाएगी।

आवेदन शुरू :
09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लाइब्रेरियन :
लाइब्रेरी साइंस या इंफॉर्मेशन साइंस में मास्टर डिग्री
10 साल का अनुभव
मेडिकल ऑफिसर :
एमबीबीएस, इंटर्नशिप
3 साल का अनुभव
पीजी डिप्लोमा, एमडी, डीएनबी
स्टूडेंट काउंसिलर :
साइकोलॉजी,सोशियोलॉजी में मास्टर डिग्री
5 साल का अनुभव
एमफिल, पीएचडी
सॉफ्टवेयर इंजीनियर :
बीटेक, एमसीए, कंप्यूटर साइंस या आईटी में एमएससी
3 साल का अनुभव
प्रोग्रामिंग, ईआरपी नॉलेज
असिस्टेंट टेक्निकल ऑफिस :
एमटेक, एमएससी, बीटेक, एमसीए के साथ 3 - 5 साल का अनुभव
आईआईटी, एनआईटी लैब अनुभव
असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर :
सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री
6 साल का अनुभव
जूनियर टेक्निकल सुपरिटेंडेंट
एमएससी, बीटेक, डिप्लोमा
2-4 साल का अनुभव

एज लिमिट :
न्यूनतम : 32 साल
अधिकतम : 55 साल

सैलरी :
18,000 - 2,18,200 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग, पूर्व सैनिक, ट्रांसजेंडर, महिला, IIT भुवनेश्वर के नियमित कर्मचारी : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
IIT भुवनेश्वर के ऑफिशियल करियर पोर्टल पर जाएं।
Register/Login विकल्प पर क्लिक करके नया रजिस्ट्रेशन करके लॉगिन करें।
ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरें और मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस ऑनलाइन जमा करें।
सभी जानकारी जांचने के बाद फॉर्म सब्मिट करें।

BSF में 549 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) की ओर से स्पोर्ट्स कोटा के तहत कॉन्स्टेबल (जीडी) के पदों पर भर्ती निकली है।बीएसएफ की ओर से एप्लिकेशन विंडो 27 दिसंबर से एक्टिव की जाएगी। बीएसएफ कॉन्स्टेबल जीडी स्पोर्ट्स कोटा भर्ती के अंतर्गत 30 से अधिक खेलों को शामिल किया गया है। इनमें एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती, हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, शूटिंग, तैराकी, योग समेत कई अन्य खेल शामिल हैं।

आवेदन शुरू:
27 दिसंबर से 15 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
उम्मीदवारों ने इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष : न्यूनतम लंबाई 170 सेमी सीना बिना फुलाए न्यूनतम 80 सेमी और फुलाकर 85 सेमी होना चाहिए।
महिला : अधिकतम लंबाई 157 सेमी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 23 साल
आयु की गणना 1 अगस्त 2025 को ध्यान में रखकर की जाएगी।
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सैलरी :
21,700-69,100 रुपए प्रतिमाह
केंद्रीय सरकार द्वारा दिए जाने वाले अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

सिलेक्शन प्रोसेस :
उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करके डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जाएगा।
उसके बाद फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST)
डिटेल्ड मेडिकल एग्जामिनेशन (DME) होगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके पासवर्ड के माध्यम से लॉग इन करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

14. शंकराचार्य का दर्शन किस पर आधारित था?
(A) द्वैत (B) अद्वैत
(C) विशिष्टाद्वैत (D) सांख्य
उत्तर: (B)
व्याख्या: शंकराचार्य ने 'अद्वैत वेदांत' का प्रतिपादन किया — ब्रह्म ही सत्य है, जगत मिथ्या।

15. 'नालंदा विश्वविद्यालय' को किस आक्रमणकारी ने नष्ट किया था?
(A) महमूद गजनवी
(B) मुहम्मद गौरी
(C) बख्तियार खिलजी
(D) तैमूर
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1193 ई. में बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को जलाकर नष्ट किया।

16. 'राजतरंगिणी' का लेखक कौन था?
(A) कल्हण (B) बाणभट्ट
(C) कालिदास (D) हेमचंद्र
उत्तर: (A)
व्याख्या: 'राजतरंगिणी' कश्मीर के राजाओं का इतिहास है जिसे कल्हण ने लिखा।

17. अल-बेरूनी किस शासक के समय भारत आया था?
(A) महमूद गजनवी
(B) मुहम्मद बिन कासिम
(C) कुतुबुद्दीन ऐबक
(D) इल्तुतमिश
उत्तर: (A)
व्याख्या: अल-बेरूनी महमूद गजनवी के साथ भारत आया और उसने 'तहकीक-ए-हिंद' नामक ग्रंथ लिखा।

18. 'कुतुब मीनार' का निर्माण प्रारंभ किसने किया था?
(A) कुतुबुद्दीन ऐबक
(B) इल्तुतमिश (C) बलबन
(D) अलाउद्दीन खिलजी
उत्तर: (A)
व्याख्या: कुतुब मीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने प्रारंभ किया, जिसे इल्तुतमिश ने पूरा किया।

19. 'इल्तुतमिश' ने किसे अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था?
(A) रजिया सुल्ताना (B) बलबन
(C) नसीरुद्दीन (D) कुतुबुद्दीन
उत्तर: (A)
व्याख्या: इल्तुतमिश ने अपनी पुत्री रजिया सुल्ताना को उत्तराधिकारी बनाया था।

20. अलाउद्दीन खिलजी ने कौन-सा प्रसिद्ध बाजार नियंत्रण लागू किया था?
(A) भूमि सुधार नीति
(B) मूल्य नियंत्रण प्रणाली
(C) कर सुधार
(D) व्यापार निषेध
उत्तर: (B)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए मूल्य नियंत्रण प्रणाली लागू की थी।

21. 'खिलजी काल' में दक्षिण भारत को किसने जीता?
(A) मलिक काफूर
(B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) बलबन (D) नसीरुद्दीन
उत्तर: (A)
व्याख्या: मलिक काफूर ने दक्षिण भारत में कई राज्यों को अलाउद्दीन खिलजी के लिए जीता था।

22. तुगलक वंश के संस्थापक कौन थे?
(A) गयासुद्दीन तुगलक
(B) मुहम्मद बिन तुगलक
(C) फिरोज तुगलक
(D) नसीरुद्दीन
उत्तर: (A)
व्याख्या: गयासुद्दीन तुगलक ने 1320 ई. में तुगलक वंश की स्थापना की।

23. मुहम्मद बिन तुगलक की कौन-सी नीति असफल रही?
(A) राजधानी परिवर्तन (B) टोकन मुद्रा (C) दोनों ही
(D) कोई नहीं
उत्तर: (C)
व्याख्या: मुहम्मद बिन तुगलक की दोनों नीतियाँ — राजधानी परिवर्तन और टोकन मुद्रा — विफल रहीं।

24. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई?
(A) 1336 ई. (B) 1347 ई.
(C) 1350 ई. (D) 1365 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर और बुक्का ने 1336 ई. में की थी।

25. विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी —
(A) हम्पी (B) मैसूर
(C) मदुरै (D) तंजावुर
उत्तर: (A)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी थी, जो अब यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

26.'भक्ति आंदोलन' के उत्तर भारत में प्रमुख प्रवर्तक कौन थे?
(A) रामानुज (B) कबीर
(C) रामानंद (D) नामदेव
उत्तर: (C)
व्याख्या: उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की शुरुआत रामानंद ने की, जिन्होंने भक्ति को जाति–वर्ग से ऊपर रखा।

-डॉ. एम. ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4009 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 4 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर से शुरू होगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 21 जनवरी तय की गई है। रिजल्ट 15 मई 2026 को जारी किया गया है।

आवेदन शुरू :
20 दिसम्बर से 21 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
बीटेक, बीई, डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री, 12वीं पास, जीएनएम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, पीजी डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, अन्य राज्य के उम्मीदवार : 1200 रुपए
ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी, पीएच : 600 रुपए

सैलरी :
18,000 - 42,700 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
ऑनलाइन अप्लाई के लिंक पर क्लिक करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

बैंक ऑफ इंडिया में 514 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

बैंक ऑफ इंडिया ने 514 क्रेडिट ऑफिसर के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bankofindia.bank.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू:
20 दिसम्बर से 05 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 60% अंकों के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री।
आरक्षित श्रेणी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग वर्ग) के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 55% अंक जरूरी हैं।

एज लिमिट :
क्रेडिट ऑफिसर एमएमजीएस-II :
न्यूनतम : 25 वर्ष
अधिकतम : 35 वर्ष
एमएमजीएस-III :
न्यूनतम : 28 वर्ष
अधिकतम : 38 वर्ष
एसएमजीएस-IV :
न्यूनतम : 30 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष

फीस :
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ दिव्यांग : 175 रुपए
सामान्य/ अन्य कैटेगरी : 850 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन एग्जाम
इंटरव्यू के बेसिस पर

एग्जाम पैटर्न :
लैंग्वेज : इंग्लिश, हिंदी
नेगेटिव मार्किंग : एक चौथाई
ड्यूरेशन : 120 मिनट

कट ऑफ :
जनरल, ईडब्ल्यूएस : 35%
एससी, एसटी, ओबीसी, पीडब्ल्यूबीडी : 30%

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट Bankof-india.co.in पर जाएं।
होमपेज पर करियर टैब पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन के आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
आगे की जरूरत के लिए प्रिंटआउट लेकर रखें।

NEET-JEE परीक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी: 11वीं में एंट्रेंस एग्जाम

-कोचिंग घंटों पर सीमा, 12वीं के छात्र का AI टीचर बना चर्चा का विषय

देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। NEET और JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव, कोचिंग कल्चर और डमी स्कूलों की समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार एक नए मॉडल पर विचार कर रही है। इसी कड़ी में 11वीं कक्षा में ही NEET-JEE जैसे एंट्रेंस एग्जाम कराने का प्रस्ताव सामने आया है। इसके साथ ही कोचिंग संस्थानों के रोजाना घंटों को सीमित करने की भी योजना बनाई जा रही है। वहीं दूसरी ओर, तकनीक के क्षेत्र में एक छात्र की मेहनत चर्चा का विषय बनी हुई है। कक्षा 12वीं के एक छात्र द्वारा बनाया गया AI टीचर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आइए जानते हैं शिक्षा और तकनीक से जुड़ी इन अहम खबरों के बारे में विस्तार से।

कक्षा 11वीं में ही NEET-JEE जैसे एंट्रेंस एग्जाम कराने की तैयारी

NEET और JEE की तैयारी के नाम पर छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार बड़े सुधारों पर विचार कर रही है। इसके तहत प्रस्ताव है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं कक्षा 11वीं में ही आयोजित की जाएं, ताकि छात्रों को 12वीं के बोर्ड और एंट्रेंस एग्जाम का दोहरा बोझ न झेलना पड़े। इस मुद्दे पर हाल ही में एक केंद्रीय कमेटी की बैठक हुई, जिसमें शिक्षा विशेषज्ञों, प्रशासकों और नीति निर्माताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में यह माना गया कि मौजूदा सिस्टम में छात्र 9वीं या 10वीं से ही कोचिंग के दबाव में आ जाते हैं, जिससे पढ़ाई का संतुलन बिगड़ जाता है।

कोचिंग सेंटर के घंटों पर लगेगी लगाम-

सरकार का मानना है कि कोचिंग सेंटरों पर अत्यधिक निर्भरता छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा रही है। इसी वजह से प्रस्ताव है कि कोचिंग संस्थानों के रोजाना पढ़ाने के घंटे 2 से 3 घंटे तक सीमित किए जाएं। इस कदम का उद्देश्य यह है कि छात्र स्कूल की पढ़ाई को प्राथमिकता दें और कोचिंग को सिर्फ सहायक माध्यम के रूप में देखें। इससे डमी स्कूलों की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी रोक लगने की उम्मीद है।

NEET-JEE और बोर्ड परीक्षा का हाइब्रिड मॉडल-

केंद्रीय पैनल ने NEET-JEE और बोर्ड परीक्षाओं को मिलाकर एक हाइब्रिड मूल्यांकन मॉडल पर भी सुझाव दिया है। इस मॉडल में बोर्ड परीक्षा के अंकों और एंट्रेंस टेस्ट के स्कोर, दोनों को मिलाकर मेरिट तैयार की जा सकती है। इससे छात्रों को बार-बार परीक्षाओं की दौड़ से राहत मिलेगी और स्कूल शिक्षा की अहमियत भी बनी रहेगी।

डमी स्कूल और करियर काउंसलिंग पर चिंता-

बैठक में कई अन्य गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिनमें अलग-अलग बोर्डों के सिलेबस में अंतर, डमी स्कूलों की समस्या, कमजोर फॉर्मेटिव असेसमेंट सिस्टम और शिक्षकों की गुणवत्ता शामिल है। इसके अलावा, स्कूलों में करियर काउंसलिंग की कमी को भी एक बड़ी चुनौती माना गया। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर छात्रों को समय रहते सही मार्गदर्शन मिले, तो वे बिना अनावश्यक दबाव के अपने करियर का चुनाव कर सकते हैं।

कक्षा 12वीं के छात्र का बनाया AI टीचर हुआ वायरल

जहाँ एक ओर शिक्षा व्यवस्था में सुधार की बात हो रही है, वहीं दूसरी ओर एक छात्र ने तकनीक के ज़रिए शिक्षा को नया रूप देने की मिसाल पेश की है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के शिव चरण इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले कक्षा 12वीं के छात्र आदित्य कुमार ने एक AI रोबोट टीचर तैयार किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

25 हजार रुपये में तैयार किया AI टीचर

आदित्य कुमार ने महज 25,000 रुपये की लागत से इस AI टीचर को तैयार किया है। इस रोबोट का नाम उन्होंने 'सोफी' रखा है। वायरल वीडियो में सोफी छात्रों के सवालों के जवाब देती और बातचीत करती नजर आ रही है। आदित्य ने यह AI टीचर अपने स्कूल के साइंस प्रोजेक्ट के लिए बनाया था। उनका कहना है कि उनका मकसद शिक्षा को आसान और रोचक बनाना है।

भविष्य में और अपग्रेड करने की योजना

आदित्य के मुताबिक, यह AI टीचर अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन भविष्य में वे इसमें और फीचर्स जोड़ना चाहते हैं। जैसे—अलग-अलग विषयों की जानकारी, हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में संवाद, और छात्रों की जरूरत के अनुसार कंटेंट। उनका यह प्रयास दिखाता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद छात्र अगर चाहें, तो नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एक तरफ सरकार शिक्षा प्रणाली को तनावमुक्त और संतुलित बनाने की दिशा में बड़े फैसलों की तैयारी कर रही है, तो दूसरी तरफ देश के युवा खुद शिक्षा के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। कक्षा 11वीं में NEET-JEE कराने का प्रस्ताव हो या कोचिंग घंटों की सीमा—ये सभी कदम छात्रों के हित में अहम साबित हो सकते हैं। वहीं आदित्य कुमार जैसे छात्रों की सोच यह साबित करती है कि आने वाला समय तकनीक और नवाचार का है, जहाँ शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेगी।

रेलवे में 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 30 दिसंबर 2025 से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू:
30 दिसम्बर से 29 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर :
हिंदी या अंग्रेजी में पीजी डिग्री, जिसमें ग्रेजुएट लेवल पर हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य विषय हो।
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर :
श्रम कानूनों में विशेषज्ञता के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री और डिप्लोमा या LLB की डिग्री।
चीफ लॉ असिस्टेंट :
लॉ की डिग्री और बार में वकील के रूप में कम से कम 3 साल का वर्क एक्सपीरियंस।
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) :
साइंस सब्जेक्ट (फिजिक्स और केमेस्ट्री) के साथ 12वीं पास।
प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा, साथ ही 2 साल का अनुभव।
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा।
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग :
साइकोलॉजी में PG डिग्री के साथ एक साल का एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी/एसटी : 250 रुपए
रिफंड फीस : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
चीफ लॉ असिस्टेंट : 44,900 रुपए प्रतिमाह
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) : 19,900 रुपए प्रतिमाह
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर : 44,900 रुपए प्रतिमाह
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग : 35,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।

किस विटामिन की कमी से पैरों में दर्द होता है?

-जानिए विटामिन D डेफिशिएंसी के लक्षण, खतरे और बचाव के तरीके

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग अपनी सेहत पर सबसे कम ध्यान देते हैं। अनियमित दिनचर्या, गलत खानपान और धूप से दूरी के कारण शरीर में कई ज़रूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। जब शरीर में किसी भी विटामिन या मिनरल की कमी पैदा होती है, तो इसका असर सीधे हमारी हड्डियों, मांसपेशियों और नसों पर पड़ता है। खासतौर पर अगर आपको लंबे समय से पैरों में दर्द, थकान या कमजोरी महसूस हो रही है, तो इसे मामूली समस्या समझकर नज़रअंदाज़ करना भारी पड़ सकता है। अक्सर देखा गया है कि पैरों में लगातार दर्द रहने की एक बड़ी वजह विटामिन डी की कमी होती है। यह विटामिन हमारी हड्डियों और मांसपेशियों को मज़बूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

विटामिन डी की कमी से क्यों होता है पैरों में दर्द?

विटामिन डी को "सनशाइन विटामिन" भी कहा जाता है, क्योंकि यह धूप के संपर्क में आने से शरीर में बनता है। यह विटामिन कैल्शियम और फॉस्फोरस को शरीर में सही तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है। जब शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, तो हड्डियां और मांसपेशियां कमज़ोर होने लगती हैं। हड्डियों और मांसपेशियों की सेहत बिगड़ने पर पैरों में दर्द, ऐंठन और भारीपन महसूस हो सकता है। कई बार यह दर्द इतना बढ़ जाता है कि चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। खासकर सुबह उठते समय या ज़्यादा देर खड़े रहने के बाद पैरों में तेज़ दर्द होना विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है।

विटामिन डी की कमी के प्रमुख लक्षण-

अगर शरीर में विटामिन डी की कमी लंबे समय तक बनी रहे, तो इसके कई लक्षण सामने आ सकते हैं। इनमें शामिल हैं: पैरों, घुटनों और पीठ में लगातार दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और अकड़न, जल्दी थक जाना और दिनभर सुस्ती महसूस होना, जोड़ों में जकड़न, हड्डियों में दर्द या भारीपन, बार-बार गिरना या संतुलन बिगड़ना, बच्चों में हड्डियों का सही विकास न होना, अगर आप इनमें से कई लक्षण महसूस हो रहे हों, तो इसे नज़रअंदाज़ करने के बजाय जल्द से जल्द डॉक्टर से जांच करवाना ज़रूरी है।

समय रहते कमी दूर न की तो क्या हो सकता है?

यह जानना बेहद ज़रूरी है कि अगर विटामिन डी की कमी को समय रहते पूरा नहीं किया गया, तो यह आगे चलकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। सबसे बड़ा खतरा ऑस्टियोपोरोसिस नाम की बीमारी का होता है। ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों की डेंसिटी यानी घनत्व कम हो जाता है। इससे हड्डियां अंदर से खोखली और नाजुक हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में मामूली गिरावट या चोट से भी हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बुजुर्गों में यह समस्या ज़्यादा देखने को मिलती है, लेकिन आजकल युवाओं में भी विटामिन डी की कमी के कारण यह जोखिम बढ़ रहा है। इसके अलावा लंबे समय तक विटामिन डी की कमी रहने से इम्यून सिस्टम भी कमज़ोर हो सकता है, जिससे बार-बार बीमार पड़ने की संभावना बढ़ जाती है।

विटामिन डी की कमी कैसे दूर करें?

अच्छी बात यह है कि विटामिन डी की कमी को कुछ आसान तरीकों से काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

धूप में बैठना: विटामिन डी का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत सूरज की रोशनी है। रोज़ाना सुबह की हल्की धूप में 15 से 30 मिनट तक बैठने से शरीर खुद विटामिन डी बनाता है। कोशिश करें कि हाथ, पैर और चेहरा धूप के संपर्क में आएं।

डाइट में विटामिन डी से भरपूर फूड्स शामिल करें: अपने डेली डाइट प्लान में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जिनमें विटामिन डी अच्छी मात्रा में पाया जाता हो, जैसे: दूध और दही, अंडे की ज़र्दी, पनीर, फोर्टिफाइड अनाज, मशरूम, इन फूड्स का सही मात्रा में और नियमित सेवन करने से शरीर में विटामिन डी का स्तर सुधर सकता है। डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लें: अगर कमी ज़्यादा हो, तो केवल डाइट और धूप से इसे पूरा करना मुश्किल हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेकर विटामिन डी सप्लीमेंट्स लेना फायदेमंद हो सकता है। बिना डॉक्टर की सलाह के ज़्यादा मात्रा में सप्लीमेंट लेना नुकसानदायक भी हो सकता है। पैरों में दर्द को हमेशा थकान या उम्र का असर समझकर टाल देना सही नहीं है। यह शरीर में किसी ज़रूरी विटामिन, खासकर विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है। समय रहते जांच करवाकर सही इलाज और संतुलित डाइट अपनाने से न सिर्फ पैरों के दर्द से राहत मिल सकती है, बल्कि भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

UPSC ने 102 पदों पर भर्ती के लिए मांगे आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट्स, डिजाइंस एंड ट्रेड मार्क्स (CGPDTM) में ट्रेड मार्क्स और जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (GI) एग्जामिनर पदों के लिए भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया आज यानी 13 दिसंबर से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
13 दिसंबर से 01 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में लॉ की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 35 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
पर्सनैलिटी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
1,00,000 - 1,25,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।
मांगे गए डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।

अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का प्रतिभा सम्मान समारोह व अंसारी दर्पण 2026 का विमोचन सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का अंसारी प्रतिभा सम्मान समारोह व रिज़वानुद्दीन अंसारी द्वारा संपादित अंसारी दर्पण-2026 का इजरा (विमोचन) प्रोग्राम दिनांक 28 दिसम्बर 2025 को पी ए एस गार्डन कोटा में आयोजित किया गया । प्रोग्राम में विभिन्न ज़िलों से कक्षा 10 के 39 छात्र, कक्षा 12 के 63 छात्र, उच्च शिक्षा प्राप्त 25 छात्र, खेलकूद तथा समाज सेवा के लिए 19, राजकीय नई नियुक्ति पाने वाले 9 तथा Ph.D , गोल्ड मेडलिस्ट, डाक्टर्स, इंजीनियर्स,वैज्ञानिक, खिलाड़ी, केलिग्राफर, सरकारी नियुक्तियां प्राप्त तथा विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य करने वाली 200 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सोसाइटी के जनरल सेक्रेट्री ज़हूर अहमद के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता शुजाउद्दीन अंसारी एम डी रेपिड इलेक्ट्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने की। तथा मुख्य अतिथि डॉ सिराज अहमद क़ादरी अंसारी संपादक दबिस्तान-ए-नअत रहे। विशिष्ट अतिथियों में मोहम्मद इरफान जौनपुरी अध्यक्ष अज़ीज़िया लाइब्रेरी जौनपुर, डॉ अज़ीज़ुल्लाह शीरानी प्रोफेसर मौलाना

आज़ाद उर्दू यूनिवर्सिटी जौधपुर, प्रोफेसर जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली, अरशद अंसारी चेयरमैन वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप, डॉ नौरीन सदफ शिशु रोग विशेषज्ञ जे के लोन कोटा ने स्टेज को ज़ीनत बख़्शी। सभी मेहमानान ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला , विशेष रूप से बालिका शिक्षा पर। प्रोग्राम में 200 प्रतिभाओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कोटा के मशहूर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. यूनुस अंसारी को उनकी समर्पण भाव से मरीजो़ की सेवा व समाज सेवा के लिए अंसारी रत्न से नवाज़ा गया। प्रोग्राम में राजस्थान बुनकर अवार्ड 2025 से सम्मानित मसर्रत जहां, कांग्रेस अल्प संख्यक प्रकोष्ठ ज़िला कोटा के अध्यक्ष जुबेर अहमद, आईएएस फेकल्टी रोहित दाधीच, युवा पर्यावरणविद व क़ानूनविद सबरीना अंसारी, डॉ. नुसरत फातिमा, इंजीनियर सलामत अली को भी निशान-ए-अंसार देकर सम्मानित किया। सभी मेहमानों ने शिक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया तथा होनहार बच्चों को और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। प्रोग्राम में 200 प्रतिभाओं के साथ उनके माता-पिता और दीगर संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सोसाइटी के मीडिया प्रभारी मोहम्मद अशफ़ाक़ अंसारी, सोसाइटी के ख़ाज़िन अब्दुल मजीद अंसारी, ज्वाइंट सेक्रेट्री अब्दुल सलाम, अब्दुल हमीद और तमाम पदाधिकारी और मेम्बरान उपस्थित रहे। अंत में सिराज अहमद अंसारी सद्र अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा ने उपस्थित सभी मेहमानों, बच्चों और उनके माता-पिता को धन्यवाद अर्पित किया। प्रोग्राम का संचालन नईम दानिश तथा हारून रशीद अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। प्रोग्राम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ।

वूमेन इंडिया मूवमेंट के नेतृत्व में हिजाब और उन्नाव रेप मामले के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका)। वूमेन इंडिया मूवमेंट की जानिब से हिजाब के नाम पर मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रही बदसलूकी तथा उन्नाव रेप मामले में दोषी को मिल रही राहत के विरोध में रविवार 28 दिसंबर 2025 को शहर के अंजुमन चौराहा पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने प्रदर्शन में महिला कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और न्याय व्यवस्था से महिलाओं की सुरक्षा व न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान महिलाएं हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर सड़क पर बैठी नजर आईं। बैनरों पर "हिजाब हमारा अधिकार", "रेपिस्ट को सख्त सजा दो" और "महिलाओं को न्याय दो" जैसे नारे लिखे हुए थे। महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने प्रदर्शन को मजबूती दी और समाज में बढ़ते अन्याय के खिलाफ आक्रोश को स्पष्ट रूप से सामने रखा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि हिजाब पहनने वाली मुस्लिम महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव और उत्पीड़न को तत्काल रोका जाए। साथ ही उन्नाव रेप मामले के दोषी को किसी भी तरह की राहत न दी जाए और उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए सख्त कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने की भी मांग उठाई गई। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि देश में महिलाओं के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। हिजाब पहनना महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक अधिकार से जुड़ा विषय है, जबकि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में दोषियों को संरक्षण मिलना समाज के लिए खतरनाक संकेत है। वूमेन इंडिया मूवमेंट के नेतृत्व में हिजाब और उन्नाव रेप मामले के खिलाफ धरना वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के सवाल पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एस.आर.जी. अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

-एमआईसीयू को अपग्रेड कर चिकित्सा सुविधाओं में बढ़ोतरी लाने के दिए निर्देश

-आमजनता से अस्पताल में सफ़ाई रखने के किए अस्पताल प्रशासन का सहयोग करने के दिए निर्देश

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार 28 दिसंबर 2025 को एस.आर. जी. अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया।

आईसीयू अपग्रेडेशन के निर्देश- राजे सर्जिकल आईसीयू एवं एम.आई.सी.यू में पहुँचीं, जहाँ उन्होंने मरीजों के उपचार, उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। उन्होंने आईसीयू के अपग्रेडेशन के निर्देश देते हुए आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही आईसीयू में लगे ए.सी. डक्ट की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि झालावाड़ अस्पताल में काफ़ी समय से एमआरआई मशीन की माँग की जा रही है इसके लिए उच्च स्तर पर प्रयास कर शीघ्र झालावाड़ वासियों को एमआरआई मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अस्पताल में आरएमआरएस तथा अन्य माध्यमों से तकनीकी उपकरणों व संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर चिकित्सा सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वच्छता पर संतोष, जनभागीदारी का संदेश- निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, किंतु आमजन से अस्पताल परिसर में गंदगी न करने, दीवारों पर थूकने से बचने तथा खाने के पैकेट व तंबाकू के पाउच इधर-उधर न फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की स्वच्छता बनाए रखने में अस्पताल प्रशासन के साथ आमजन का सहयोग आवश्यक है। अस्पताल हम सबकी साझा संपत्ति है और इसकी देखरेख की ज़िम्मेदारी हम सभी की है। इस दौरान झालावाड़ बारां सांसद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एस दुष्यंत सिंह, आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन श्याम सुंदर शर्मा, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शंभु दयाल मीणा, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण सहित अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी एवम अन्य मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार 28 दिसंबर 2025 को नि:शुल्क सुपर मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर विज्ञान नगर कोटा में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के सरपरस्त एवं जनरल लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर अब्दुल रब ने जानकारी देते हुए बताया कि इस फ्री मेडिकल केंप में शहर के जाने माने न्यूरोलोजिस्ट डॉ. प्रशांत श्रृंगी, यूरोलोजिस्ट सर्जन डॉ. जयेश मित्तल, ओर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हितेष मंगल, स्वंय जनरल सर्जन डॉ. अब्दुल रब व फिजीशियन डॉ. अक़ील अहमद ने अपनी सेवाएँ दीं। शिविर प्रभारी मोहम्मद ज़ाकिर आसफ़ी ने बताया कि शिविर प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ और निर्धारित समय 2 बजे तक शिविर में लगभग 160 रोगियों ने लाभ उठाया, जिन्हें परामर्श के साथ फ्री दवाइयों का वितरण तथा शुगर, बी.पी. आदि जाँचें भी नि:शुल्क की गईं। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट के वाइस चेयरमेन सलीम अब्बासी ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सक, डॉ. सिद्दीक अंसारी, मेडीकल प्रतिनिधी इन्दीवर दाभाई, छाया एजूकेशन वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधि रिज़वान सिद्दीक़ी, मोहम्मद तोसीफ़, सरपरस्त डॉ. नईम फलाही, ट्रस्टीगण इमाम हुसैन मंसूरी, मिर्ज़ा नफ़ीस बेग, निसार अहमद, लईक अहमद, इमरान ख़ान एवं सभी स्टाफ सदस्यों का शुक्रिया अदा किया।

सुकेत में पानी की टंकी की सफाई की

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत में नगर पालिका क्षेत्र के टंकी चौराहा पर खटीक समाज की ओर से राहगीरों के लिए रखी पानी की टंकी की सफाई पिछले छह माह से नहीं हो रही थी। मंगलवार को नगरपालिका एवं जलदाय विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से सफाई की गई। इसी क्रम में पशुओं के लिए बनी खेल की सफाई व नए पाइप वाल लगाकर मरम्मत की। इससे अब राहगीरों और पशुओं को स्वच्छ पानी पीने को मिलेगा। इस मौके पर सत्य नारायण खटीक, शिवराज मेरोठा, शाहरुख मंसूरी, नरेंद्र गुप्ता, शिवा राणा, सोनु राणा आदि मौजूद रहे।

सुकेत कस्बा जिला स्तरीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का समापन

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को हुआ। इसमें जिलेभर से टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आर. के. क्लब कोटा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पचपहाड़ की टीम द्वितीय स्थान पर रही। बेस्ट शूटर का पुरस्कार कोटा के देव को मिला। शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में इंडायरेक्ट वर्ग में साइम खान की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। सलावद खुर्द की टीम द्वितीय स्थान पर रही। फ्रेंड्स क्लब अध्यक्ष हाजी मोहम्मद सखी ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सभी का सहयोग रहा।

कस्बा सुकेत में से बिक रही है काली रेत

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कस्बा कोटा जिले मैं और नदी के करीब कस्बासुकेश एवं देवरी घट प्राचीन कालसे बसा हुआ हैं। कस्बा सुकेत में रात केअंधेरों में आओ नदी की रेत की सप्लाई करते है । अरे एक बड़ी महंगे गांव बिकती हैं जबकि प्रशासन द्वारा रोक के बावजूद रेत की सप्लाई जोरो से मकान बनाने में की जाती हैं। बड़े महंगे दामों में ट्रैक्टर ट्राली में रेत लाकर बेची जा रहीहै जिसका फोटो पर लगा हुआ है।

वक्फ कमेटी कार्यालय पर उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों के संशोधन के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस जयपुर द्वारा राज्य की तमाम वक्फ कमेटियों को लेटर जारी कर बताया था कि उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों में रही कुछ खामियों ओर उनसे संबंधित संशोधन के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी क्रम में 24 दिसंबर 2025 बुधवार को कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में चेयरमैन इरफान अंसारी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण शिविर का

आयोजन किया गया। जिसमें बारां जिले की अपलोड वक्फ सम्पत्तियों में कमियां को दूर करने के लिए शिविर आयोजित किया गया जिसमें राजस्थान वक्फ बोर्ड से जिला प्रभारी अब्दुल हफीज भी मौजूद रहे। जिन्होने उम्मीद पोर्टल पर अपलोड हुई संपत्तियों को संशोधित करने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया । शिविर में छबड़ा वक्फ कमेटी सदर साजिद खान, मांगरोल वक्फ कमेटी सदर अलीमुद्दीन अंसारी, असलम अंसारी मांगरोल, कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, साबिर हुसैन अंसारी, नाजिश अली, आरिफ हुसैन सहित अन्य लोगों ने संशोधन की प्रक्रिया को समझा।

अरावली बचाओ जन आंदोलन के तहत कांग्रेस ने निकाली जिला मुख्यालय पर जन जागरण रैली

-भाजपा सरकार अरावली पर्वतमाला को नष्ट करने पर तूली- प्रमोद भाया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा जिला मुख्यालय पर अरावली पर्वतमाला को बचाने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम को निरस्त करने के लिए पेष किए गए विधेयक के विरोध में जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बडी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अग्रिम संगठनो, प्रकोष्ठों के अध्यक्षों तथा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कई वक्ताओं द्वारा जन जागरण रैली को सम्बोधित किया गया। इसके पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेसजनों द्वारा कांग्रेस पार्टी का 140वां स्थापना दिवस मनाते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं ज्ञापित की। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिला मुख्यालय पर अरावली पर्वतमाला को बचाने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम को निरस्त करने के लिए पेश किए गए विधेयक के विरोध में जिला मुख्यालय पर जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बडी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस के अग्रिम संगठन एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता बारां शहर के श्री जी का चैक, चैमुखा बाजार, सर्राफा बाजार, सदर बाजार, धर्मादा चैहारा, प्रताप चैक आदि प्रमुख बाजारों से गुजरते हुए श्रीराम स्टेडियम पर पहुंचे जहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर

कांग्रेसजनों द्वारा माल्यार्पण किया गया। जन जागरण रैली को सम्बोधित करते हुए अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि यह सर्वविदित है कि अरावली पर्वतमाला ना सिर्फ राजस्थान प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा भी है जो न सिर्फ प्रदेष में रेगिस्तान के विस्तार को रोकने में सहायक है वरन धूल भरी आंधियों से भी बचाव करती है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होने के साथ ही साथ प्रदेषवासियों के लिए आस्था का केन्द्र भी है। अनेक देवालय इस पर्वतमाला पर स्थित है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा व जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने के लिए विधेयक पेष कर अत्यन्त चिन्ताजनक और सुनियोजित कदम उठाया है। मोदी सरकार को गरीबों की नहीं, सिर्फ अपने अमीर दोस्तों की चिंता है। उन्होंने साफ कहा कि मनरेगा कोई योजना नहीं, संविधान से मिला काम का अधिकार है, और कांग्रेस इसकी हर कीमत पर रक्षा करेगी।

यह रहे उपस्थित:-

कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस एवं जन जागरण रैली कार्यक्रम के दौरान प्रदेष कांग्रेस कमेटी के सचिव हंसराज मीणा उदपुरिया, धर्मराज मेहरा, पूर्व सभापति कैलाष पारस, डीसीसी उपाध्यक्ष बृजराज मीणा, डीसीसी महासचिव हेमलता सोन, अशरफ देषवाली, संध्या जाडेजा, रामप्रसाद शर्मा, आर.आई., सेवादल अध्यक्ष शिवषंकर यादव, नगर अध्यक्ष बारां प्रषान्त भारद्वाज, ब्लॉक अध्यक्ष छीपाबडौद मूलचन्द शर्मा, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिमला बैरवा, पूर्व नपा उपाध्यक्ष मांगरोल असगर अली, जाकिर मंसूरी, मण्डल अध्यक्ष-बिजोरा भवानीषंकर मीणा, सोरसन- कमलेष नागर, सारथल-डॉ. नफीस कुरैशी, पार्षद- पीयूष सोनी, रोहिताष्व सक्सेना, अर्जुन यषवन्त, ललित गुर्जर, लीलाधर नागर, राजेन्द्र गहलोत, हरिष मेघवाल, अक्षय भूमलिया, किरिट भाई, शाहिद इकबाल भाटी, पंसस नरेन्द्र नन्दवाना, समीर खान, अजय दायमा, रवि पुजारी, राहुल शर्मा, सीताराम मेघवाल, सूरजमल बैरवा पीटीआई, विरेन्द्र शान्त, हेमराज मेघवाल, नरोत्तम राठौर, दिनेश गुर्जर, भूपेन्द्र शर्मा, अजय सैनी, लवि शर्मा, साजिद हुसैन, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अली हुसेन टीपू, अमन भूमलिया, ममता मेघवाल, चमेलीबाई आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

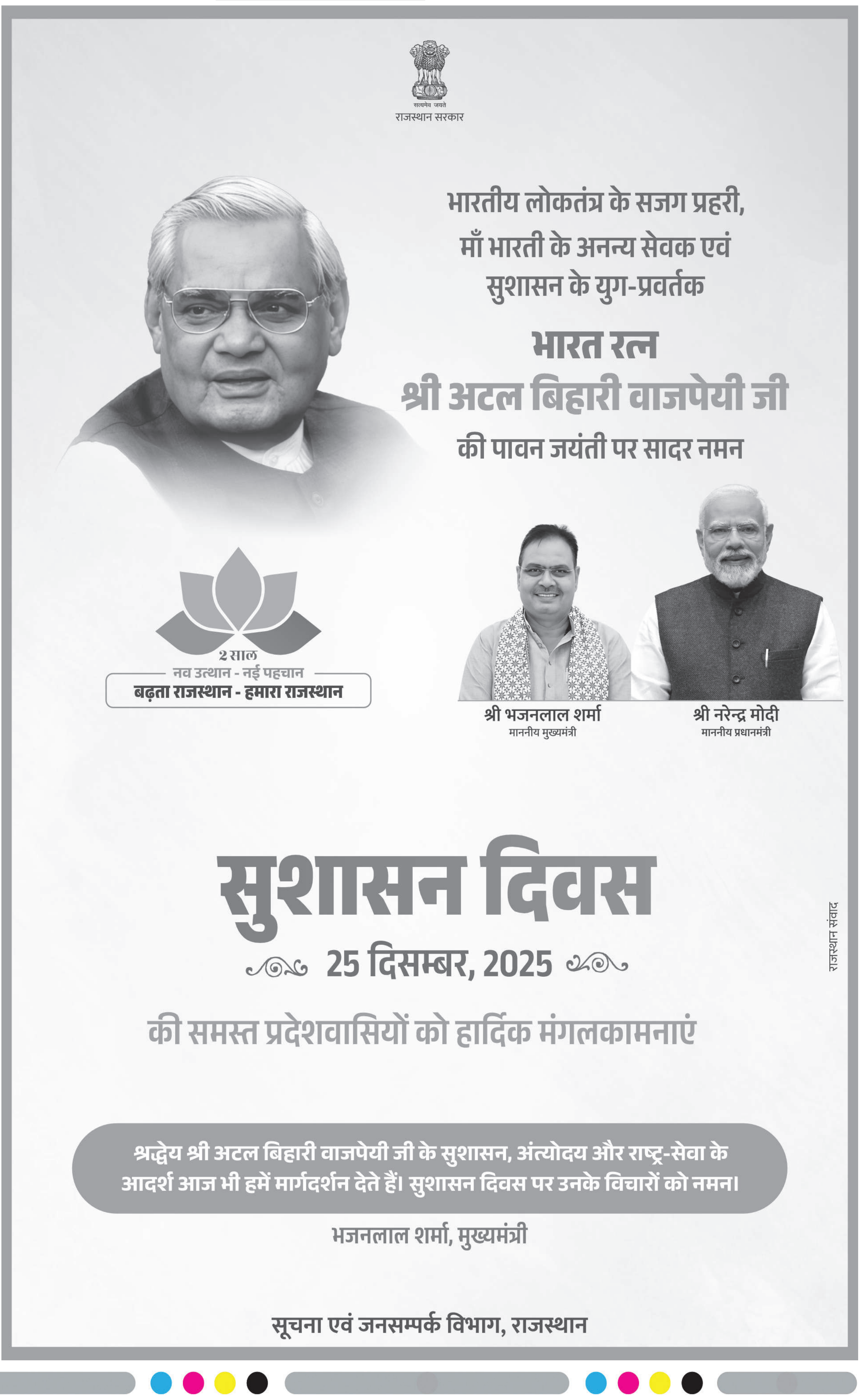

कॉम काजियान ने एम.ए. टोपर गोल्ड मेडलिस्ट तबस्सुम का किया सम्मान

-महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट मिला

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय नई सड़क राजेन्द्र स्टूडियो के पास कल देर शाम को, चूरू शहर की प्रथम मुस्लिम महिला तब्बसुम बानो को एम. ए. ऊर्दू के टोपर बनने व गोल्ड मेडल हासिल करने पर कौम काजियान ने तब्बसुम बानो के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया । पूर्व सदर ज़ाकिर झरियावाला ने बताया तब्बसुम पत्नी इमरान के चूरू पहुचने पर जुलूस के रूप में नई सड़क, भरतीया कुआ, पठान चौक, भाटी स्ट्रेट व शहर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह फूल और नोटों की मालाओं से स्वागत, आतिशबाजी के साथ किया, जुलूस काफिले के साथ सम्मान समारोह सभा तक लाया गया । सभा की अध्यक्षता कौम काजियान के सदर संजय भाटी ने की व मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया थे, वरिष्ठ अतिथि कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी अब्दुल ज़ब्बार, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब जिलाध्यक्ष जमील चौहान रहे संजय भाटी ने तब्बसुम की कामयाबी बताते हुवे कहा ये पूरे चूरू के लिये फख्र की बात है। गोविन्द महनसरिया ने बेटी के उज्जवल भविष्य के लिये आशीर्वाद दिया। अब्दुल ज़ब्बार ने इस कामयाबी के लिये तब्बसुम की जीत को दूसरे बच्चों के लिये प्रेरणा बताया और ससुर ग़ाकिल फिर जी के साथ तब्बसुम को बधाई दी। अंत में तब्बसुम ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने सास-ससुर, माता-पिता और अपने अध्यापकों को दिया । कार्यक्रम में शहर के निवर्तमान पार्षदों में अज़ीज़ खान, बाबू खान मंत्री, समीउल्लाह गौरी, नोमान सैय्यद, इस्माइल भाटी, सेवानिवृत्त अध्यापक दिन मोहम्मद, सेवानिवृत्त व्याख्याता असगर अली ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन इमरान मंसूर अली ने किया । इस अवसर पर आज़म भाटी ,खादिम खान, रशीद सैय्यद, इमरान भाटी मोहसिन अली, इरफ़ान भाटी काज़ी अब्बास, अकरम टेलर, खादिम, मास्टर वसीम शेरा, नाइफ, बंटी, साईंल, फय्याज भाई, अबू मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में महिलाएं आदि उपस्थित थे ।

चूरू में हुआ तेली समाज का सम्मान समारोह

-प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के तत्वाधान में मेधावी छात्रों ओर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का किया सम्मान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज बाड़ी तेलियान चुरू में राजस्थान प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत चुरू द्वारा मुस्लिम तेली समाज को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह में पधारे प्रांतीय अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने इस अवसर पर कहा के समाज में फैली गैर जरूरी रीति-रिवाज को दूर करे, शादी ब्याह में फिजूल खर्ची रोके ओर बच्चों को स्कूल जाने को प्रोत्साहित करे। प्रांतीय संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ख़िलज़ी ने कहा के आज समाज को आगे बढ़ाना है विकसित करना है तो बच्चों को शिक्षा के रास्ते पर लाना होगा तभी हम आगे बढ़ सकते है। समारोह के विशिष्ट अतिथि शहर इमाम पीर अनवार अहमद कादरी साहब ने कहा के आज की युवा पीढ़ी शुरुआती शिक्षा तो ले रही है पर टेक्निकली ओर प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित रह जाती है जिसके लिए युवाओं ओर पढ़ने वाले बच्चों की काउंसलिंग करते रहना चाहिए तभी समाज मुख्यधारा में शामिल होगा।। समारोह में डॉ फखरुल हसन गौरी , रफीक चौहान, मोहम्मद हुसैन निर्बान, जुमर दीन, इस्माइल चौहान आदि ने भी विचार रखे। महापंचायत द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर छात्र छात्राओं में पढ़ने को लेकर प्रतिस्पर्धा की भावना पनपाने के उद्देश्य से सम्मानित किया ताकि वंचित छात्र भी कड़ी मेहनत कर शिक्षित बन सके। आयोजन समिति के गुलाम हुसैन गौरी ने बताया कि अ.लतीफ आरको ने चूरू के साजिद तुगलक को राजस्थान कमेटी मे उपाध्यक्ष बना या इस अवसर पर कमेटी मुश्प्रांतीय

मुस्लिम तेली महापंचायत के तत्वाधान में मेधावी छात्रों ओर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का किया सम्मान। आज बाड़ी तेलियान चुरू में राजस्थान प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत चुरू द्वारा मुस्लिम तेली समाज को शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया।समारोह में पधारे प्रांतीय अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको ने इस अवसर पर कहा के समाज में फैली कुरीतियों को दूर करे, शादी ब्याह में फिजूल खर्ची रोके ओर बच्चों को स्कूल जाने को प्रोत्साहित करे। प्रांतीय संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री अशरफ अली ख़िलज़ी ने कहा के आज समाज को आगे बढ़ाना है विकसित करना है तो बच्चों को शिक्षा के रास्ते पर लाना होगा तभी हम आगे बढ़ सकते है।समारोह के विशिष्ट अतिथि शहर इमाम पीर अनवार अहमद कादरी साहब ने कहा के आज की युवा पीढ़ी शुरुआती शिक्षा तो ले रही है पर टेक्निकली ओर प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित रह जाती है जिसके लिए युवाओं ओर पढ़ने वाले बच्चों की काउंसलिंग करते रहना चाहिए तभी समाज मुख्यधारा में शामिल होगा। समारोह में डॉ. फखरुल हसन गौरी, रफीक चौहान, मोहम्मद हुसैन निर्बान, जुमर दिन, इस्माइल चौहान आदि ने भी विचार रखे। महापंचायत द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट कर छात्र छात्राओं में पढ़ने को लेकर प्रतिस्पर्धा की भावना पनपाने के उद्देश्य से सम्मानित किया ताकि वंचित छात्र भी कड़ी मेहनत कर शिक्षित बन सके। आयोजन समिति के गुलाम हुसैन गौरी ने बताया कि अब्दुल लतीफ आरको ने चूरू के साजिद तुगलक को राजस्थान कमेटी मे उपाध्यक्ष बनाया है। इस अवसर पर कमेटी मुश्ताक चौहान, मंगतू भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, हारून गौरी, इस्माइल भाटी, अकबर निर्वाण, साजिद तुगलक, सलीम चौहान, याकूब राजगढ़िया, वजीरदीन भाटी, सलीम PA, इब्राहिम गौरी, इमरान मलनस, अकरम एडवोकेट आदि ने मेहमानों का स्वागत सत्कार किया और समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रफीक चौहान ने कियाताक चौहान, मंगतू भाटी, लाल मोहम्मद चौहान, इमामुदीन मलनस, हारून गौरी, अनवर चौहान, इस्माइल भाटी, अकबर निर्वाण, साजिद तुगलक, सलीम चौहान, याकूब राजगढ़िया, वजीरदीन भाटी, सलीम PA, इब्राहिम गौरी, इमरान मलनस, अकरम एडवोकेट, असगर चौहान असलम सीकरिया, युसुफ चौहान, बाबू सोलंकी, अकबर निरबाण, इस्माइल चौहान शौकत चौहान आदि और समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रफीक चौहान ने किया।

आमीन अली रंगरेज का पवित्र हज यात्रा 2026 के केंद्रीय हज प्रशिक्षक के लिए लगातार चौथी बार हुआ चयन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज हज प्रशिक्षक के रूप में पवित्र हज यात्रा 2026 के लिये राजस्थान से जाने वाले हज यात्रियों को हज यात्रा सम्बंधित जानकारियों के लिये प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय हज कमेटी मुंबई ने नई हज पॉलिसी के तहत नई पात्रता रखते हुए देश के सभी राज्यों के राज्य हज कमेटी के माध्यम से पात्र उम्मीदवारों से कम्प्यूटर बेस टेस्ट (सीबीटी) करवाये गये थे। उसी के अनुरूप राजस्थान से भी राज्य हज कमेटी जयपुर के माध्यम से हुए कम्प्यूटर बेस टेस्ट (सीबीटी) परीक्षा पास करने पर पाली के पूर्व पार्षद कांग्रेस नेता आमीन अली रंगरेज का लगातार चौथे साल चयन किया है। उसी के तहत केन्द्रीय हज कमेटी मुम्बई में दो दिवसीय ट्रेनर टू ट्रेनी कार्यक्रम 10-11 जनवरी 2026 को आयोजित हो रहा है। रंगरेज के हज प्रशिक्षक के रूप में चयन होने पर हज कमेटी सदस्यों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजनों ने बधाई दी।

डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर डॉ. मेधा माथुर को लखनऊ में आयोजित AMUCON 2025 में प्रतिष्ठित मिड-करियर साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान तथा चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। डॉ. माथुर ने सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों, चिकित्सा शिक्षा एवं समुदाय-आधारित स्वास्थ्य मुद्दों पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध के माध्यम से महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया है। शोध कार्यों के साथ-साथ डॉ. माथुर ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, पाठ्यक्रम विकास तथा सामुदायिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। AMUCON जैसे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में मिला यह सम्मान उनके अकादमिक उत्कृष्टता एवं समाज के स्वास्थ्य सुधार के प्रति सतत समर्पण को दर्शाता है। यह पुरस्कार गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के लिए गौरव का विषय है तथा राष्ट्रीय मंच पर राजस्थान के चिकित्सा संस्थानों की बढ़ती अकादमिक पहचान को और सुदृढ़ करता है।

खलीफा वेलफेयर सोसायटी राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह बीकानेर में संपन्न हुआ

चूरू/बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। खलीका वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान का चौथा सम्मान समारोहका जश्न-ए-एजाज जलसा बीकानेर, हसनेन इस्ट कैम्पस में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ. अयुब कुरैशी झुंझनु ने की, मुख्य अतिथि अहमद अली बीकानेर, विशिष्ट अतिथि अनवर अली कुरेशी रतनगढ़, युनुस अली चूरू, अख्तर अजीज बीकानेर, शेर मोहम्मद, बाबा हिन्दुस्तानी महमूद कुरेशी, युनुस सलीम, खुर्शीद गौहर झुंझुनू, इनायत अली बीकानेर, इदरीश खत्री राज चूरवी थे। समारोह बोलते हुए सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी अनवर अली कुरैशी ने आह्वान किया कि कौम के बच्चों की तालिम की तरफ ज्यादा ध्यान देवे। इसी क्रम में मुख्य अतिथि ने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह एक ऐसा विशेष आयोजन है। जहां शिक्षा खेल व कला जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों और छात्राओं को व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य उनकी मेहनत को सहलाना और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐसे कार्यक्रमों में समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना जागती है और अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सम्मानित व्यक्तियों को प्रमाण, स्मृति चिह्न प्रदान कीए जाते है। इस समारोह में कक्षा 10 व 12 वी में 70% अक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बी.एड, बी. फार्मा, बि.एस. सी, नर्सिंग व विशेष उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्याशीयों को भी सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का आगाज कुरआन मजीद की तिलावत से हुआ। समारोह मे चूरू, कुन्नू, सीकर, गंगानगर, डीडवाना, कुचामन, रतनगढ़, फतेहपुर, मण्डावा, चिड़ावा, बीकानेर बिसाऊ, महनसर आदि। कौम के लोगो ने भाग लिया बीकानेर ने मेजबानी की सभी ने आयोजन की प्रसंशा की। इस मौके पर बीकानेर के अब्दुल रशीद, तनवीर, अयुब भाटी, कयूम कुरैशी, समीर भाटी, इमरान भाटी, शमशाद कुरैशी, खुर्शीद, आवेश भाटी, आदि। संस्था के अध्यक्ष-सचिव कयुम बिदासर एवं इरशाद चौहान,सदस्यगण ने सभी आए हुए मेहमानों का इस्तकबाल के साथ आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री राजस्थान सरकार एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी श्रीमती रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके की ओर से राजकीय भरतीया जिला अस्पताल चूरू की ब्लड बैंक में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर रेहाना रियाज चिश्ती के उज्जवल भविष्य स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके, पीसीसी की ओर से बीकानेर प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन, कांग्रेस लोकसभा ट्रैनिंग को-ऑर्डिनेटर मोहम्मद रफीक चौहान, किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव विकास मील, राजवंशी खान महासभा अध्यक्ष सिराज खां जाईयां, मुबारिक भाटी, कांग्रेस कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अज्जू लुहार, कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अशोक पंवार, मोहम्मद कासम सिसोदिया, शोयब खान, अब्दुल्ला कुरैशी, कासिफ सिसोदिया, साबीर चेजारा, शोयल गौरी, शौयल खोखर, मुस्लिम लुहार, अल्ताफ रंगरेज, मोहम्मद आसिफ सिसोदिया, अफराज भलीम, समीर खान, अरमान कुरैशी, नासीर चेजारा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल ढाका, नर्सिंग ऑफिसर जयपाल गोदारा, नर्सिंग ऑफिसर जीतू, महमूद अली मोयल, तनवीर खान, प्रबल कुमार कुर्बिलाव, विनोद डाबी इत्यादि ने अपनी उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की।

साजिद तुगलक प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत के उपाध्यक्ष नियुक्त

चूरू (रॉयल पत्रिका) । प्रान्तीय मुस्लिम तैली महापंचायत राजस्थान ने साजिद तुगलक पुत्र हाजी अहमद हुसैन तुगलक को अग्रिम आदेश तक राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है । जिससे तेली समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा और समाज में उत्साह नज़र आ रहा है। साजिद हुसैन ने कहा है कि मैं समाज में लगन और कर्तव्य-निष्ठा से कार्य करूंगा । समाज के लोगों ने साजिद हुसैन को बधाई और उज्जवल भविष्य की कामना की । साजिद हुसैन ने प्रदेश नेतृत्व सुरक्षक अशरफ अली खिलजी एवं अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको का आभार व्यक्त किया।

एएसआई पदोन्नति पर जंगशेर ख़ान का सम्मान किया

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर स्टार एकेडमी चुरू में आज जंगशेर ख़ान के सहायक उप निरीक्षक (ASI) राजस्थान पुलिस हाल पदस्थापित श्रीगंगानगर निवासी चुरू के पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकेडमी के निदेशक अब्बास खान, रि. एसअचओ अज़ीज़ खान, रि. DED जिला शिक्षा अधिकारी भंवर खान, रि. उप निदेशक मोहम्मद अय्याज़ खान, आरिफ खान एबीएस मोटर्स, रि. आरपीएस रणधीर सिंह, सिकंदर बी खान, साजिदा खान एवं शिक्षकगण, विद्यार्थी एव गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत जंगशेर ख़ान को गुलदस्ता भेट कर और माल्यार्पण द्वारा हुई।उपस्थित वक्तओं ने जंगशेर खान की मेहनत, अनुशासन और कर्तव्य-निष्ठा की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके लिए बल्कि समाज और युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणास्रोत है। समारोह के दौरान जंगशेर ख़ान को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में ख़ान ने स्टार एकेडमी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता के पीछे निरंतर परिश्रम, परिवार का सहयोग और संस्थाओं का मार्ग-दर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित जन समूह ने जंगशेर ख़ान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी।

हिन्दुस्तान जिंक की समाधान परियोजना से जुड़े 1.4 लाख किसानों ने विभिन्न कृषि स्त्रोतों से 192 करोड़ से अधिक की आय और राजस्व सृजित किया

-280 लाख लीटर से अधिक दूध का उत्पादन और 90 करोड़ रुपये की पशुधन संपत्ति

-510 किसान हित समूह और 5 एफपीओ का गठन कर 9,300 से अधिक किसानों को जोड़ा

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, सीएसआर पहल के तहत समाधान प्रोजेक्ट के माध्यम से राजस्थान के किसानों के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव लाने में सफल हुई है। इस परियोजना से अब तक लगभग 1.4 लाख किसानों को जोडकर गत एक वर्ष में विभिन्न कृषि स्त्रोतों से 192 करोड़ रुपये की कृषि आय एवं राजस्व अर्जित करने में योगदान दिया है। उदयपुर के शंकर लाल डांगी को पहले पारंपरिक खेती से महीने में केवल 6 हजार से 7 हजार रुपये की आय हो पाती थी। हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड की प्रमुख कृषि-आजीविका पहल, समाधान के समर्थन से, उन्होंने वैज्ञानिक फसल पद्धतियों, ड्रिप सिंचाई को अपनाया और किसान उत्पादक संगठन का हिस्सा बने जिसने सुनिश्चित बाजार पहुंच और उचित मूल्य सुनिश्चित किया। आज, उनकी फसल उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है, दूध उत्पादन दोगुने से भी अधिक हो गया है, और उनकी वार्षिक आय भी बढ़ी है, जिससे उनके परिवार में वित्तीय स्थिरता, आत्मविश्वास और सम्मान आया है। समाधान परियोजना खेती पर आधारित तरीकों पर फोकस करता है, लोकल किसानों को प्रोडक्टिविटी बढ़ाने, मेहनत कम करने और सस्टेनेबल खेती के तरीके अपनाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। फसल विविधीकरण, डेयरी विकास, पशुधन संपत्ति निर्माण, माइक्रोएंटरप्राइज प्रमोशन और किसान-स्वामित्व वाली संस्थाओं को शामिल करने वाले कई तरीकों वाले दृष्टिकोण के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने पिछले एक साल में महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। इनमें पशुधन संपत्ति निर्माण में 90 करोड़ रूपयें से अधिक, 280 लाख लीटर से अधिक दूध उत्पादन जिसका मूल्य 88 करोड़ रूपयें से अधिक है, पाँच व्यक्तिगत किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से 13 करोड रूपयें से अधिक की आय, और गौयम जैसे किसान-नेतृत्व वाले माइक्रोएंटरप्राइज से लगभग 7 करोड़ रूपयें का राजस्व शामिल है, जिसमें डेयरी-आधारित एफएमसीजी उत्पाद और

मिनरल मिक्सचर उत्पादन सुविधाएं शामिल हैं। राजस्थान के राजसमंद जिले के सिंदेसर कलां गाँव से भी बदलाव का उदाहरण है, जहाँ दिनेश पुरी गोस्वामी ने समाधान के मार्गदर्शन में कम रिटर्न वाली पारंपरिक खेती से हटकर विविध सब्जी की खेती और बेहतर डेयरी तरीकों को अपनाया। वैज्ञानिक कीट प्रबंधन, उठी हुई क्यारियों वाली नर्सरी और पशु नस्ल सुधार को अपनाकर, दिनेश ने सिर्फ चार महीनों में सब्जी की खेती से 78,000 रूपयें की आय की, जबकि उनकी मासिक दूध की आय बढ़कर 12,000 रूपये हो गई। आय के स्रोतों में विविधता लाने से जोखिम काफी कम हो गया है और उनके परिवार के लिए आय में स्थिरता आई है। समाधान की सफलता की नींव मजबूत बुनियादी कार्य करने वाले संस्थानों और किसानों के स्वयं के मालिक होने के अनुरूप है। इस पहल ने 510 किसान इंटरेस्ट ग्रुप और पाँच इंडिविजुअल फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन बनाए हैं, जिनमें 9,300 से ज्यादा किसान-शेयरहोल्डर शामिल हैं, जिससे एग्रीगेशन, पक्का मार्केट एक्सेस और लंबे समय तक चलने वाली स्थिरता संभव हुई है। समाधान ने पीओपी छोटे प्लॉट, हाई-टेक सब्जी की खेती, सटीक सिंचाई, ट्रेलिस फार्मिंग, वैज्ञानिक डेयरी मैनेजमेंट, औषधीय फसलें ,वाडी और बायो-फोर्टिफाइड फसलें जैसे जिंक और आयरन से भरपूर गेहूं जैसी क्लाइमेट-स्मार्ट खेती की गतिविधियों को अपनाकर 2,449 हेक्टेयर जमीन को कवर किया है, जिससे बेहतर उत्पादकता, बेहतर पोषण परिणाम और बढ़ी हुई आय हुई है। इस यात्रा में महिला किसान भी बदलाव लाने में अग्रणी बन कर उभर रही हैं। डेयरी एंटरप्रेन्योरशिप से लेकर बागवानी और फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप में लीडरशिप भूमिकाओं तक, उनकी भागीदारी घरों की समृद्धि और समुदाय की मजबूती को बढ़ा रही है। उदाहरण के लिए, गणेशपुरा गांव की गेंदी बाई ने ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग का इस्तेमाल कर एक बीघा सब्जी की खेती से 90 हजार रूपये की आय की, जिससे उन्हें ब्लॉक स्तर पर प्रगतिशील किसान के रूप में पहचान मिली। हिन्दुस्तान जिंक केवल कृषि ही नहीं अपनी सोशल इम्पैक्ट रणनीति विकास के लिए लंबे समय तक चलने वाले, इंटीग्रेटेड दृष्टिकोण के माध्यम से मजबूत समुदायों के निर्माण पर आधारित है। कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्थायी आजीविका, खेल और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्रों में कार्यरत है, साथ ही अपने ऑपरेशनल क्षेत्रों में स्थानीय बुनियादी ढांचे और संस्थानों को भी मजबूत कर रही है। नंद घर, सखी, जिंक कौशल, समाधान जैसे समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों, पार्टनरशिप और स्केलेबल मॉडल के संयोजन के माध्यम से हिन्दुस्तान जिंक से वर्तमान में 2,300 से अधिक गांवों में लगभग 23 लाख लोग लाभान्वित हो रहे है। भारत के प्रमुख सीएसआर योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में, कंपनी राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं और विकसित भारत के विजन के अनुरूप समावेशी विकास, सामाजिक समानता और जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण को आगे बढ़ा रही है। समाधान के जरिए कंपनी का लक्ष्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करना है।

कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद ने मेहताब आलम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया

जयपुर। राजस्थान के साहित्यिक एवं सामाजिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद ने मेहताब आलम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति वर्ष 2026 से 2028 के कार्यकाल के लिए की गई है। मेहताब आलम जोधपुर जिले से संबंधित हैं और साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहे हैं। कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद एक ऐसा सशक्त मंच है, जो नवांकुर रचनाकारों को परिवार, समाज और संस्कृति से जोड़ते हुए उनमें सामाजिक व साहित्यिक दायित्वों की भावना विकसित करता है। परिषद द्वारा की गई यह नियुक्ति राजस्थान प्रदेश में साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मेहताब आलम इससे पूर्व भी विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। वे समाज सेवा, सद्भावना, राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक मूल्यों के सक्रिय संवाहक के रूप में जाने जाते हैं। अनेक साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने स्थानीय से लेकर राज्य स्तर तक राजस्थानी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। परिषद को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में साहित्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कार्यों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मेहताब आलम को उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। परिषद का मानना है कि उनकी नेतृत्व क्षमता, सक्रियता और संस्कृति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता संगठन की गतिविधियों को प्रदेश में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेहताब आलम का वक्तव्य

नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेहताब आलम ने कहा— "राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया जाना मेरे लिए गौरव का विषय है। मैं इस दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करूंगा तथा साहित्य और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।"

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

मुस्लिम इलाकों पर बुलडोजर एक्शन से भड़के केरल के मुख्यमंत्री

तिरुवनंतपुरम । केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कर्नाटक सरकार की कार्रवाई को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई है । उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में अवैध निर्माण के नाम पर मुस्लिम समुदाय की बहुलता वाले रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर तोड़ा जा रहा है । तिरुवनंतपुरम से शुक्रवार को पिनराई विजयन ने फेसबुक पोस्ट के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने बेंगलुरु के येलहंका इलाके के कोगिलु गांव में स्थित फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में हाल ही में हुई बुलडोज़र कार्रवाई का जिक्र किया । मुख्यमंत्री ने कहा कि इन इलाकों में किए गए तोड़फोड़ अभियान ने उन्हें बेहद व्यथित किया है ।

कर्नाटक सरकार का बुलडोज़र जस्टिस

पिनराई विजयन ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि यह कार्रवाई कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हुई । उन्होंने इसे बुलडोज़र जस्टिस करार देते हुए कहा कि ऐसी कठोर कार्रवाई ने उन्हें स्तब्ध कर दिया है । उन्होंने कांग्रेस पार्टी के रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जो पार्टी खुद को सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर बताती है, वह इस तरह लोगों को जबरन उनके घरों से

बेदखल करने की कार्रवाई का समर्थन कैसे कर सकती है ।

कार्रवाई के पीछे राजनीतिक मकसद

मुख्यमंत्री ने आगे चेतावनी दी कि अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ राजनीतिक मकसद से की जाने वाली कार्रवाइयों का दायरा अब दक्षिण भारत तक फैलता दिख रहा है, जो बेहद चिंताजनक है । उन्होंने इस बात पर भी दुख जताया कि लोगों को कड़ाके की ठंड के दौरान बेघर किया गया, जिससे उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिनराई विजयन ने प्रशासन की मूल जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी सरकार का कर्तव्य है कि वह गरीब और कमजोर तबकों की सुरक्षा करे, उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए और डर या बल के जरिए लोगों को उनके घरों से निकालने की किसी भी कोशिश को रोके । उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्ता का इस्तेमाल लोगों को उजाड़ने के लिए नहीं, बल्कि उनकी रक्षा और कल्याण के लिए होना चाहिए ।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 22 दिसंबर को कर्नाटक सरकार ने 200 से ज्यादा घरों पर बुलडोजर चलाया है, जिसकी वजह से 400 परिवार बेघर हो गए हैं । जिन इलाकों में ये बुलडोजर एक्शन हुआ है, उनमें ज्यादातर मुसलमान रहते थे । यह बड़े पैमाने पर की गई बेदखली की कार्रवाई इसी हफ्ते की शुरुआत में हुई थी, जिसके बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस और केरल की लेफ्ट फ्रंट यूनिट के बीच तीखी बयानबाज़ी शुरू हो गई थी । लेफ्ट फ्रंट ने कांग्रेस पर उत्तर भारत के कई राज्यों में देखे जा रहे "बुलडोज़र राज" को सामान्य बनाने का आरोप लगाया था । ये एक्शन बेंगलुरु के कोगिलु गांव की फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में हुआ था।

असम के जिशान अहमद ने की नए ग्रह की खोज, NASA ने किया सम्मानित

नई दिल्ली । आरियन जिशान मेघालय की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (USTM) में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के पहले सेमेस्टर के B. TEC के छात्र हैं । वे रंगिया वार्ड नंबर 3 के निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार और शहर, बल्कि उनके शिक्षण संस्थानों और पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। आरियन ने इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल रिसर्च कोलैबोरेशन (IASC) के आधिकारिक शोध मिशन के तहत दो ऐसे मेन बेल्ट एस्टेरॉयड की पहचान की, जिन्हें पहले दर्ज नहीं किया गया था. इन एस्टेरॉयड को अब 2024 VE8 और 2024 VC23 नाम दिया गया है । इस शोध कार्य के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने उनके योगदान को मान्यता दी है, जो उनके शैक्षणिक जीवन की शुरुआत में एक बड़ी उपलब्धि

मानी जा रही है। आरियन, जैंतीपुर योगेश्वर विद्यापीठ के प्रिंसिपल मिराजुल इस्लाम और रूमा नाज़रीन के बड़े बेटे हैं. उन्होंने यह शोध हवाई विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी द्वारा संचालित पैनोरमिक सर्वे टेलीस्कोप एंड रैपिड रिस्पॉन्स सिस्टम (Pan-STARRS) से मिले आंकड़ों का विश्लेषण करके किया । यह टेलीस्कोप प्रणाली नासा के सहयोग से काम करती है। बता दें कि आरियन जिशान अहमद ने इन दोनों एस्टेरॉयड की पहचान गहन डेटा विश्लेषण के जरिए की, जो मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित मेन बेल्ट क्षेत्र में पाए जाते हैं । उनके मुताबिक ऐसी खोजें सौर मंडल की उत्पत्ति को समझने में मदद करती हैं और अंतरिक्ष में मौजूद खगोलीय पिंडों की निगरानी के लिए भी महत्वपूर्ण होती हैं । आरियन की इस उपलब्धि की हर तरफ सराहना हो रही है और इसे अंतरिक्ष विज्ञान, खगोलशास्त्र और शोध में रुचि रखने वाले युवा छात्रों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है. आर्यन जीशान अहमद हमसे बातचीत करते हुए आने वाले दिनों में और भी मेहनत कर कामयाबी हासिल करने की बात की और वह बहुत खुश है और अपने कामयाबी के बारे में भी उन्होंने कहा किस तरह से मेहनत किया ।

11 वर्ष के मोहम्मद सिदान को मिला PM बाल पुरस्कार, दो बच्चों की बचाई थी जान

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार (26 दिसंबर) को नई दिल्ली में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को दिया जाता है । इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरस्कार जीतने वाले बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि अजय राज और मोहम्मद सिदान पी, जिन्होंने अपनी बहादुरी और समझदारी से दूसरों को बचाया, वे तारीफ के हकदार हैं । नौ साल की बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह साल के बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपनी हिम्मत से दूसरों की जान बचाते हुए अपनी जान गंवा दी। वहीं, दस साल के श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े खतरों के बीच, अपने घर के पास बॉर्डर पर तैनात भारतीय सैनिकों को रेगुलर पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई।

इनके याद में मनाई जाती है बाल दिवस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पहले, सिख धर्म के दसवें गुरु (गुरु गोबिंद सिंह) और उनके चार बेटों ने सच और इंसाफ के लिए लड़ते हुए कुर्बानी दी थी। उन्होंने कहा कि दो सबसे छोटे साहिबजादों की बहादुरी को भारत और विदेश दोनों जगह सम्मान और इज्जत दी जाती है। प्रेसिडेंट ने कहा कि किसी देश की महानता तब दिखती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और ऊंचे आदर्शों से भरे हों। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि बच्चों ने बहादुरी, कला और संस्कृति, पर्यावरण, इनोवेशन, साइंस और टेक्नोलॉजी, समाज सेवा और खेल में अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई है।

गुजरात से आए परिवार ने खरीदी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने मंगलवार को राष्ट्रीय ध्वजवाहक एयरलाइन के निजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली और इसे एक स्थानीय निवेश कंपनी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को 135 अरब रुपये में बेच दिया। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआइए) के निजीकरण के लिए इस्लामाबाद में बोली आयोजित की गई, जहां लकी सीमेंट, निजी एयरलाइन एयरब्लू और निवेश फर्म आरिफ हबीब सहित तीनों ने अपनी सीलबंद बोलियां एक पारदर्शी बॉक्स में जमा कीं।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का निजीकरण पूरा हुआ

इसके बाद बोलियां खोली गईं, जिसमें आरिफ हबीब ने 115 अरब रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाई। इसके बाद लकी सीमेंट ने 105.5 अरब रुपये और एयरब्लू ने 26.5 अरब रुपये की बोली लगाई। बोली खुलने के बाद सरकार ने घोषणा की कि संदर्भ मूल्य 100 अरब रुपये है। नियमों के अनुसार, दो सबसे ऊंची बोली लगाने वालों

को शुरुआती नीलामी प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया गया।

135 अरब रुपये में हुआ एयरलाइन का सौदा

आरिफ हबीब और लकी सीमेंट दोनों ने एयरलाइन को हासिल करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की और धीरे-धीरे अपनी बोली बढ़ाते गए, यहां तक कि आरिफ हबीब समूह ने 135 अरब रुपये की बोली लगाई, जिसे किसी ने चुनौती नहीं दी। आरिफ हबीब का परिवार गुजरात से आकर पाकिस्तान में बसा है और पाकिस्तान में बड़ा कारोबार खड़ा किया है । गुजरातियों के खून में ही कारोबार और व्यापार करना माना जाता है । भारत में भी गुजरती व्यापारियों ने झंडे गाड़ रखे हैं ।

अजमेर शरीफ में पहली बार हिंदू, मुस्लिम, सिख गुर्जर समुदाय की ओर से मिलकर पेश हुई खास चादर

अजमेर (रॉयल पत्रिका) । अजमेर शरीफ दरगाह पर गुर्जर समाज की ओर से चादर चढ़ाई गई । गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति ने कहा कि यह चादर भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान और दुनियाभर में बसे गुर्जर समुदाय की ओर से चढ़ाई गई । खास तौर पर हिंदुस्तान में बसे मुस्लिम गुर्जरों, सिख गुर्जरों और गद्दी मुसलमानों, साथ ही जम्मू कश्मीर के गुर्जर बकरवाल समुदाय की ओर से पेश की गई । इस मौके पर भाजपा नेता और संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला गुरुवार (25 दिसंबर) को अजमेर शरीफ़ दरगाह पहुंचे । यहां उन्होंने चादर पेश की और ज़ायरीनों को भोजन करवाया । उन्होंने कहा कि इस पहल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजी गई चादर और "सबका साथ-सबका विकास" संदेश के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए । इस बारे में उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जानकारी भी दी ।

कर्नल बैंसला को किया याद

उन्होंने बताया, "बीते कल गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की टीम के साथ अजमेर शरीफ़ दरगाह पहुंच कर दरगाह पर चादर पेश की । ज़ायरीनों को भोजन करवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । मेरे पिता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला भी अजमेर शरीफ आया करते थे । मुझे खुशी है कि मुझे भी उनके नक्शे कदम पर चलकर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के मार्ग पर अग्रसर रहने का सौभाग्य मिल रहा है।"

हर साल समाज की ओर से पेश होगी चादर

बैंसला के मुताबिक, दरगाह के प्रमुख खादिम सैयद बिलाल चिश्ती ने पूरे गुर्जर समुदाय को आश्वासन दिया कि नेक और जायज़ माँगों के लिए समस्त गुर्जर समाज को पूरा सहयोग दिया जायेगा । साथ ही दरग़ाह प्रमुख खादिम सैयद बिलाल चिश्ती ने यह घोषणा भी की है कि कर्नल साहब में सम्मान में दरग़ाह के ख़ादिम समुदाय हर साल कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की पुण्यतिथि के दिन गुर्जर समाज के साथ शामिल होकर दरगाह में ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश करेंगे । साथ ही अब से हर साल - सदभावना, सौहार्द, अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य समेत तमाम संदेशों के साथ उर्स के पर्व पर समाज की चादर पेश की जाएगी ।

ब्रिटेन में मुस्लिम महिला पुलिस के लिए मैग्नेटिक हिजाब

नई दिल्ली (एजेंसी) । यूरोप के अलग-अलग हिस्सों में अक्सर हिजाब प्रतिबंध की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बीच हाल ही में ब्रिटेन की पुलिस एक खास तरह के हिजाब को बढ़ावा दे रही है। इस हिजाब को ब्लू लाइट हिजाब या मैग्नेटिक हिजाब का नाम दिया गया है। दरअसल यह हिजाब खास तौर पर महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। लेस्टरशायर पुलिस ने महिला अधिकारियों को ब्लू लाइट हिजाब पहनने को इजाजत दे दी है। वहीं ब्रिटेन की दूसरी पुलिस फोर्सेज भी इसे ऑर्डर कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पहल का मकसद पुलिस फोर्स को धार्मिक और लैगिंग आधार पर समावेशी बनाना है। बताया गया है कि ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम महिलाओं को पुलिस सेवा से जोड़ने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में हाल के कुछ सालों में पुलिस फोर्स के भीतर इस्लामोफोबिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, खासकर महिला अधिकारियों के साथ। इस पर बात करते हुए एक पुलिस

अधिकारी ने बताया कि 2025 में ही उन्हें कम से कम 41 बार नस्लीय हमलों का सामना करना पड़ा। कई मौकों पर फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की ड्यूटी के दौरान, उनका हिजाब खींचने की कोशिश की गई। उन्हें हिजाब जलाने की धमकी भी दी गई।

कैसे रक्षा करेगा मैग्रेटिक हिजाब?

मैगनेटिक हिजाब, अपने नाम के ही अनुरूप दो हिस्सों वाला हिजाब सिस्टम है, जिसमें एक क्विक रिलीज यानी जल्दी अलग हो जाने वाला मैकेनिज्म लगाया गया है। अगर किसी टकराव या झड़प के दौरान कोई हिजाब को खींचता है, तो उसका बाहरी हिस्सा तुरंत अलग हो जाएगा, जिससे गला घुटने या गंभीर चोट का खतरा कम हो जाएगा। वहीं इस डिजाइन में एक अंडरकैप भी है, जिसका आगे का हिस्सा चौड़ा है। यह अंडरकैप अपनी जगह पर बना रहता है, भले ही ऊपर का हिस्सा हट जाए। इससे महिला पुलिसकर्मी की मर्यादा बनी रहती है और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। पुलिस का कहना है कि यह डिजाइन सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ धार्मिक समावेशन यानि इनक्लूसिविटी को भी बढ़ावा देता है।

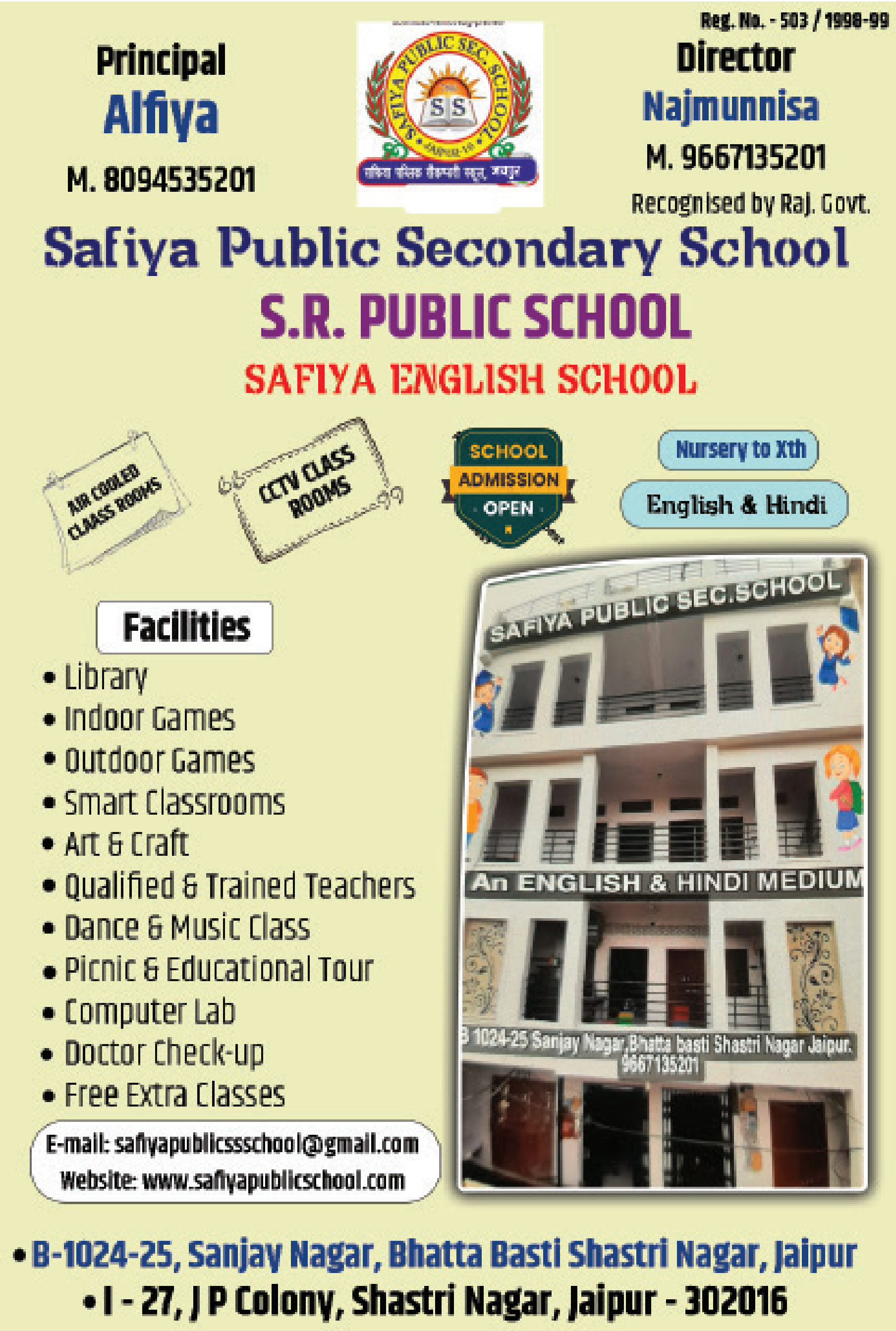

33 वर्षों की सेवा के बाद 31 दिसंबर को होंगे सेवानिवृत्त

सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी खाजा सज्जनुद्दीन को भावभीनी विदाई

नई दिल्ली । केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) मुख्यालय में एक गरिमामय समारोह के दौरान महानिदेशक CRPF के डीजी जी.पी. सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों ने खाजा सज्जनुद्दीन (Khaja Sajjanuddin), महानिरीक्षक (आईजी), सीटीसी मुधखेड़ को भावभीनी विदाई दी। खाजा सज्जनुद्दीन 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 01 जुलाई 1992 को CRPF में शामिल हुए खाजा सज्जनुद्दीन का करियर नेतृत्व, साहस और कर्तव्य-निष्ठा की मिसाल रहा है। तीन दशकों से अधिक की सेवा के दौरान उन्होंने देश के कई संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों, वामपंथी उग्रवाद (LWE) प्रभावित क्षेत्रों में सेवा दी, साथ ही CRPF की विशिष्ट CoBRA (कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन) इकाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने शानदार सेवाकाल में उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा गया, जिनमें प्रधानमंत्री का पुलिस महानिरीक्षक पदक (PMG – बार), मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (MSM), विदेश सेवा पदक और संयुक्त राष्ट्र पदक शामिल हैं। संचालन के क्षेत्र में उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण यह है कि उन्होंने बेस्ट ऑपरेशनल बटालियन, बेस्ट CoBRA बटालियन और बेस्ट इकनॉमिक बटालियन का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। एक कुशल प्रशिक्षक के रूप में भी खाजा सज्जनुद्दीन का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने न केवल CRPF के जवानों को आधुनिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, बल्कि नेपाल पुलिस और दिल्ली पुलिस को भी प्रशिक्षण देकर अंतर-एजेंसी सहयोग को मज़बूत किया। विदाई समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके अनुकरणीय सेवाकाल, अनुशासन और मानवीय नेतृत्व की सराहना की। CRPF परिवार ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ, सक्रिय और संतोषजनक जीवन की शुभकामनाएँ दीं। CRPF ने कहा कि खाजा सज्जनुद्दीन जैसे अधिकारी बल की रीढ़ होते हैं, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com